राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उतरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण बुधवार 08 जनवरी 2025 वर्ष-7,अंक-343 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

तिब्बत में भूकंप ने मचाई तबाही, 95 की हुई मौत, 60 से ज्यादा गंभीर रुप से घायल

भारत, नेपाल और बांग्लादेश में भी महसूस किए गए झटके

नई दिल्ली।

तिब्बत और नेपाल के लिए मंगलवार की सुबह मौत का पैगाम लेकर आई। 7.1 की तीव्रता से आए भूकंप ने भारी तबाही मचा दी। इसमें 95 लोगों की मौत हो गई और 60 से ज्यादा लोग गंभीर घायल होने की खबर है। इधर भारत और बांग्लादेश के कई हिस्सों में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं, जिनका केंद्र तिब्बत था। जहां 7.1 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया है। यूनाइटेड स्टेट्स जियोलॉजिकल सर्वे के मुताबिक, नेपाल और भारत के सिक्किम की सीमा के पास चीन के कंट्रोल वाले तिब्बत क्षेत्र में सुबह 7.1 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप का केंद्र नेपाल के लोबुचे से करीब 91 किमी दूर था। भूकंप के झटके भूटान और बांग्लादेश के कुछ हिस्सों में भी महसूस किए गए। चीनी सरकार की ओर से जारी बयान में बताया गया कि नेपाल सीमा के पास तिब्बत क्षेत्र में आए शक्तिशाली भूकंप में कम से कम 95 लोगों की मौत हुई है और 60 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। मृतकों और घायलों की संख्या में इजाफा हो सकता है, क्योंकि भूकंप के कारण गिरे मकानों के मलबे में और लोग दबे हो सकते हैं। भारत, नेपाल और बांग्लादेश में मंगलवार सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप के झटके महसूस होते ही लोग घरों से निकलकर सुरक्षित स्थान पर पहुंच गए। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, तिब्बत में थोड़ी-थोड़ी देर में कई बार भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिपोर्ट के अनुसार, सुबह स्थानीय समयानुसार करीब 7ः00 बजे दक्षिण-पश्चिम चीन के शिजांग इलाके में 4.7 तीव्रता का भूकंप आया। इसके बाद भी कई बार झटके महसूस किए गए।

नेपाल में आ चुका है और शक्तिशाली भूकंप

गौरतलब है कि अप्रैल 2015 में नेपाल में काठमांडू के उत्तर-पश्चिम में शक्तिशाली भूकंप आया था। भूकंप की तीव्रता 7.8 मापी गई थी। भूकंप के कारण लगभग 9 हजार लोगों की मौत हुई थी और बड़ी संख्या में लोग घायल हुए थे। बताया जाता है कि नेपाल भूवैज्ञानिक रूप से ऐसे क्षेत्र में बसा है, जहां भारतीय और यूरेशियन टेक्टोनिक प्लेटें टकराती हैं, जिससे हिमालय बनता है और इस वजह से अक्सर भूकंप आते रहते हैं।

ईरान और भारत में भी आया भूकंप

नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के अनुसार, बीती रात दक्षिणी ईरान में भी भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए हैं। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 5.5 मापी गई है। भूकंप का केंद्र धरती के नीचे 10 किलोमीटर की गहराई में था।

छत्तीसगढ़ नक्सली हमला: शाह की हुंकार, जवानों की शहादत व्यर्थ नहीं जाएगी

2026 तक खत्म होगा देश में नक्सलवाद

नई दिल्ली।

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में नक्सलियों द्वारा किए गए आईईडी विस्फोट में जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) के आठ जवानों और एक नागरिक ड्राइवर की शहादत पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गहरी संवेदना व्यक्त की। केंद्रीय मंत्री शाह ने हुंकार भरते हुए कहा कि यह बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा और केंद्र मार्च 2026 तक देश से नक्सलवाद का पूरी तरह से सफाया करके रहेगा। केंद्रीय मंत्री शाह ने लिखा, बीजापुर में आईईडी ब्लास्ट में डीआरजी के जवानों को खोने की सूचना से अत्यंत दुःखी हूं। वीर जवानों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदनाएँ व्यक्त करता हूं। मैं विश्वास दिलाता हूं कि हमारे जवानों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। हम मार्च 2026 तक नक्सलवाद को समाप्त कर दिया जाएगा।

वहीं छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा, मैं शहीद जवानों को नमन करता हूं। नक्सली अब हताश हैं और ऐसी कायराना हरकतें कर रहे हैं। लेकिन हमारी सरकार और सुरक्षा बल नक्सलवाद को खत्म करने के लिए एकजुट हो चुके हैं। जल्द ही राज्य में शांति बहाल होगी। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा, यह घटना अत्यंत दुखद है। इसकी जांच की जाएगी।

हम नक्सलवाद को जड़ से खत्म करने के लिए और ताकत के साथ कार्रवाई करने वाले है। देश और राज्य में जल्द ही नक्सलवाद खत्म होकर रहेगा।

पहला कॉलम

हिंदुस्तान-पाकिस्तान के बीच अच्छे रिश्ते कायम हों और दोनों देश एक हो जाएं

अजमेर में ख्वाजा के 813वें उर्स में चादर लेकर आए पाकिस्तान के जायरीन, मांगी दुआ

अजमेर। अजमेर में ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती गरीब नवाज के 813वें उर्स में शिरकत करने और पाकिस्तान सरकार की ओर से चादर पेश करने पाकिस्तान से आए 89 जायरीनों का एक दल दरगाह पहुंचा। ये जायरीन वाघा बॉर्डर से भारतीय सीमा में प्रवेश कर अजमेर पहुंचे हैं। दल के साथ पाकिस्तान एंबेसी के दो अधिकारी भी आए। अजमेर रेलवे स्टेशन पर पहुंचने पर पाकिस्तान से आए जायरीनों ने ख्वाजा साहब की दरगाह में दुआ करने और उनकी शान में नात पढ़ी। एक जायरीन ने मेरे ख्वाजा पिया, दर पर बुलवा लिया नात पढ़ी और सभी ने हाथ उठाकर दुआ मांगी। इन जायरीनों ने खासतौर पर पाकिस्तान की मशहूर मिठाइयां और विशेष फूलों के गुलदस्ते ख्वाजा साहब के दरबार में पेश किया। जायरीन ने कहा कि वे ख्वाजा साहब की दरगाह में दुआ करेंगे ताकि हिंदुस्तान और पाकिस्तान के बीच अच्छे रिश्ते कायम हों और दोनों देश एक हो जाएं। एक जायरीन ने कहा कि माशाअल्लाह, दोनों देशों के रिश्ते बहुत अच्छे हैं और हम दुआ करेंगे कि यह और बेहतर हों। अजमेर जीआरपी के सीओ ने बताया कि पाकिस्तानी जायरीनों का जत्था अजमेर रेलवे स्टेशन पर कड़ी सुरक्षा के बीच पहुंचा। इन सभी को रिसीव कर सेंट्रल गर्ल्स स्कूल (अजमेर) भेजा गया, जहां इनकी ठहरने की व्यवस्था की गई थी।

जयपुर एयरपोर्ट पर कोहरा व धुंध के चलते 11 फ्लाइट्स ने देरी से भरी उड़ान

जयपुर। जयपुर एयरपोर्ट पर कोहरे और धुंध के कारण पिछले 12 घंटे में 11 फ्लाइट्स का शेड्यूल प्रभावित हुआ। सर्दी के साथ कोहरे के असर से एयर ट्रैफिक में दिक्कत आई, जिससे फ्लाइट्स अपने निर्धारित वक्त पर न तो टेकऑफ कर पाईं और न ही सही वक्त पर लैंड कर पाईं। कोहरे और धुंध के कारण जयपुर एयरपोर्ट पर विजिबिलिटी बहुत कम हो गई, जिससे फ्लाइट्स के उड़ान भरने और उतरने में देरी हुई। इससे यात्रियों को असुविधा का सामना करना पड़ा, कई फ्लाइट्स तय समय से पहले न तो उड़ान भर पाईं और न ही लैंड कर पाईं। कोहरे और धुंध की वजह से जयपुर एयरपोर्ट पर ट्रैफिक को लेकर परेशानियों का सामना करने वाले यात्री फ्लाइट ऑपरेटर और एयरपोर्ट अधिकारियों से अधिक जानकारी प्राप्त कर रहे हैं।

कार ड्रायवर ने युवक को बोनट पर लटकाकर चार किलोमीटर तक घसीटा

जयपुर। जयपुर में एक सनकी ड्राइवर युवक को कार के बोनट पर चार किलोमीटर तक घसीटने का मामला सामने आया है। घटना सोमवार की बताई जा रही है जो अंबेडकर सर्किल पर हुई, जब आरोपी ने पीड़ित युवक भूपसिंह की थार गाड़ी को टक्कर मार दी और फिर कार को भगाकर रामबाग ले गया। जाम होने पर कार रुकने पर भूपसिंह ने अपनी जान बचाने के कार के बोनट पर लटकने की कोशिश की, और करीब चार किलोमीटर तक वह बोनट पर लटका रहा, जबकि ड्राइवर ने कार को तेज रफ्तार से चलाया। पीड़ित युवक के साथी सुरेश कुमार ने पुलिस को बताया कि जैसे ही कार रुकी, भूप सिंह ने बोनट पर चढ़कर ड्राइवर को रुकने के लिए कहा लेकिन आरोपी ड्राइवर किशन लाल ने कार को भगाना शुरू कर दिया। इस दौरान युवक ने वीडियो बनाने की कोशिश भी की। पुलिस को सूचना दी गई और पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज कर आरोपी ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया और कार जब्त कर ली। घटना के बाद यह दावा किया गया कि कार इनकम टैक्स अधिकारी की थी। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है और आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

लो आ गया 'भारतपोल' अब विदेश में छिपे भारत के दुश्मनों की खैर नहीं

सीबीआई ने किया पोर्टल तैयार, गृहमंत्री अमित शाह ने किया उद्धघाटन

नई दिल्ली।

अब इंटरपोल की तरह भारत भी एक प्लेटफॉर्म तैयार किया है। अब विदेश में छिपने वाले भारत के दुश्मनों की खैर नहीं। विदेश में छिपे मोस्ट वॉन्टेड अपराधियों पर नकेल कसने के लिए 'भारतपोल' आ गया है। मंगलवार को 'भारतपोल' पोर्टल की शुरुआत हो गई। इस पोर्टल को सीबीआई ने तैयार किया है।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मंगलवार को 'भारतपोल' का उद्धघाटन किया। इस दौरान शाह ने कहा कि भारतपोल पोर्टल से विदेश में भागे अपराधियों को पकड़ने में मदद मिलेगी। सुरक्षित भारत बनाने का सपना पूरा होगा। देश से भागने वाले अपराधियों पर नजर रखी जाएगी। इंटरपोल की तर्ज पर ही सीबीआई ने भारतपोल नाम से एक कॉमन पोर्टल तैयार किया है।

'भारतपोल' से राज्यों के पुलिस बल और अन्य केंद्रीय एजेंसियों को इंटरपोल के जरिए से अंतरराष्ट्रीय पुलिस की मदद के लिए वास्तविक समय में सूचना साझा करने की सुविधा मिलेगी। इस पोर्टल में सभी जांच एजेंसियां और सभी राज्यों की पुलिस प्रमुख शामिल होंगे। इस पोर्टल से किसी भी तरह की आतंकवादी घटना, क्राइम, नार्को, साइबर क्राइम में वांटेड अपराधी तक पहुंचना आसान हो जाएगा।

सूत्रों की मानें तो 'भारतपोल' राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के पुलिस बलों और केंद्रीय एजेंसियों को विदेश में छिपे भगोड़े लोगों या अन्य मामलों के बारे में इंटरपोल से सूचना मांगने के लिए अनुरोध भेजने की सुविधा देगा। साइबर, वित्तीय अपराध, ऑनलाइन माध्यम से कट्टरपंथ को बढ़ावा, संगठित अपराध, मादक पदार्थों की तस्करी, मानव तस्करी आदि अंतरराष्ट्रीय अपराधों की बढ़ती संख्या के कारण आपराधिक जांच में त्वरित और समय पर अंतरराष्ट्रीय मदद करने की जरुरत महसूस की गई।

यह भारतपोल राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के पुलिस बलों के कामकाज को सुविधाजनक बनाएगा। सीबीआई भारत का राष्ट्रीय केंद्रीय ब्यूरो है, जो इंटरपोल

से संबंधित मामलों के लिए जिम्मेदार है। इंटरपोल के जरिए सीबीआई भारत में अपराध या अपराधियों की जांच में सहायता के लिए इंटरपोल के अन्य सदस्य देशों की समान एजेंसियों से जरुरी जानकारी मांग सकती है, साथ ही अन्य देशों की मदद के लिए आपराधिक डेटा और खुफिया जानकारी साझा कर सकती है।

एचएमपीवी को लेकर नीतिश सरकार ने सतर्कता बढ़ाई, कोविड-19 जैसी तैयारी रखें

पटना।

चीन में फैल रहे ह्यूमन मेटापन्यूमोवायरस (एचएमपीवी) को लेकर बिहार की नीतिश सरकार ने सतर्कता बढ़ा दी है। स्वास्थ्य विभाग ने सभी जिलों को कोविड-19 जैसी तैयारी का निर्देश दे दिए है। यह वायरस मुख्य रूप से श्वसन तंत्र को प्रभावित करता है और इसके गंभीर मामलों में ब्रोंकाइटिस और निमोनिया हो सकता है। एचएमपीवी के लक्षण मुख्यतौर पर कोरोना जैसे ही है। इसमें शुरुआती लक्षण सर्दी-जुकाम जैसे होते हैं। नाक बहना इसके सामान्य फ्लू के लक्षण हैं। वहीं गंभीर मामलों में ऑक्सीजन सपोर्ट की जरूरत पड़ सकती है।

ब्रोंकाइटिस और निमोनिया: लेकिन कमजोर इम्यूनिटी वाले लोगों में यह जानलेवा हो सकता है।

लक्षण-आधारित इलाज: दर्द, बुखार और सांस की तकलीफ के लिए दवाएं दी जा सकती हैं। अस्पतालों को ऑक्सीजन सपोर्ट, वेंटिलेटर, और फ्लू कॉर्नर तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं।

संक्रमण जांच: गंभीर मामलों के सैंपल पुणे की नेशनल लैब में भेजे जाएंगे।

स्वास्थ्य विभाग की तैयारी: रोजाना फ्लू और गंभीर सांस की बीमारी (एसएआरआई) की रिपोर्टिंग।

नीतिश सरकार का कदम: स्वास्थ्य सचिव ने सभी जिलों को अलर्ट करते हुए फ्लू और श्वसन संबंधी समस्याओं पर नजर रखने को कह दिया है। संक्रमण के बढ़ते मामलों से बचने के लिए कोविड-19 जैसी सतर्कता बरती जा रही है।

एचएमपीवी के बढ़ते केसों पर राज्य रखें पैनी नजर, लोगों को करें जागरुक

-केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव ने कहा-सांस संबंधी बीमारियों से निपटने में न रखें कमी

नई दिल्ली।

एचएमपीवी के बढ़ते मामले को देखते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव ने देश में श्वसन संबंधी बीमारियों की वर्तमान स्थिति और उनके प्रबंधन के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य उपायों की समीक्षा की। स्वास्थ्य सचिव ने राज्यों को आईएलआई और एसएआरआई की निगरानी को और मजबूत करने की सलाह दी। साथ ही राज्यों से कहा गया है कि वह इसके उपायों के बारे में जनता को जागरुक करें, ताकि ऐसे मामलों का समय पर पता चल सके। स्वास्थ्य सचिव ने कहा कि राज्यों को ऐसे मामलों की निगरानी बढ़ाने और उनकी समीक्षा

करना चाहिए, ताकि श्वसन संबंधी बीमारियों से निपटने में कोई कमी न हो। चीन से शुरू हुआ एचएमपीवी वायरस ने अब भारत में भी दस्तक दे दी है। कर्नाटक, महाराष्ट्र, गुजरात, पश्चिम बंगाल के अलावा तमिलनाडु में इस वायरस से जुड़े मामलों की पुष्टि हुई है। महाराष्ट्र सरकार ने इस संबंध में एडवाइजरी भी जारी कर दी है। केंद्र सरकार ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) को पहले ही कह दिया है कि वह समय-समय पर इस संबंध में अपडेट कराए।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एचएमपीवी वायरस मुख्य रूप से पीड़ित व्यक्ति के श्वसन तंत्र को प्रभावित करता है। इसके लक्षण कई मामलों में कोविड-19 जैसे ही हैं। ये वायरस खासतौर से शिशुओं और छोटे बच्चों को सबसे ज्यादा अपनी चपेट में लेता है। वायरस संक्रमित मरीज में सबसे आम लक्षण खांसी है। इसके साथ हल्का बुखार, घरघराहट, नाक बहना या गले में खराश जैसी परेशानी भी हो सकती है। वायरस से संक्रमित होने के बाद गंभीर लक्षण आ सकते हैं। सांस लेने में तकलीफ भी हो सकती है।

चुनाव अधिकारी का दावा- आप कार्य में डाल रही व्यवधान, बना रही दबाव

सीएम आतिशी ने मतदाता सूची से हटाए गए लोगों का सत्यापन कराने लिखा पत्र

नई दिल्ली।

विधानसभा चुनावों से पहले दिल्ली के जिला चुनाव अधिकारी (डीईओ) ने राजनीतिक हस्तक्षेप और कार्य संचालन में व्यवधान पर चिंता जताई है। उन्होंने दावा किया कि आम आदमी पार्टी (आप) उन पर दबाव डालने की कोशिश कर रही है। डीईओ ने चुनावी कर्तव्यों के सुचारू संचालन को तय करने के लिए सुरक्षा उपाय की मांग की है। इस बीच सत्तारूढ़ आप ने डीईओ के दावों को खारिज कर दिया है। आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल का मुकाबला बीजेपी के प्रवेश वर्मा और कांग्रेस के संदीप दीक्षित से होगा। केजरीवाल इस सीट से तीन बार चुनाव जीत चुके हैं- 2013, 2015 और 2020 में। यह घटनाक्रम चुनाव आयोग द्वारा दिल्ली के लिए अपनी संशोधित मतदाता सूची को फिर से जारी करने के बाद हुआ है। इससे राजनीतिक विवाद शुरू हो गया है। आप ने आरोप लगाया कि नई दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र में बड़े पैमाने पर मतदाता विलोपन धोखाधड़ी हो रही है। दूसरी ओर दिल्ली बीजेपी ने दावा किया कि आप इस बार फर्जी मतदाताओं को पंजीकृत करने में विफल रही है। दिल्ली सीएम आतिशी ने मुख्य चुनाव अधिकारी को नई दिल्ली में मतदाता सूची से हटाए गए लोगों के सत्यापन के लिए एक पत्र लिखा है। अपने पत्र में आतिशी ने कहा कि नियमों के मुताबिक जब हटाने के अनुरोध 2 फीसदी से ज्यादा होते हैं, तो ईआरओ को प्रत्येक हटाने के अनुरोध को व्यक्तिगत रूप से सत्यापित करना होता है। पत्र में लिखा है, इस मामले में इन नियमों का पालन किया जाना चाहिए क्योंकि नई दिल्ली में 2 फीसदी से ज्यादा वोट हटाए जाने की मांग की गई है। इसका पालन नहीं किया जा रहा है।

डीईओ ने 4 जनवरी को दिल्ली के मुख्य चुनाव अधिकारी (सीईओ) को लिखे पत्र में बताया कि आप उन पर दबाव डालने की कोशिश कर रही है। पत्र में लिखा कि 21, 28 और 29 दिसंबर और 3 जनवरी को पार्टी सांसदों राघव चड्ढा और संजय सिंह सहित आप नेताओं के उनके कार्यालय में कई बार आने के बारे में लिखा।

2660 स्कूलों में एक भी छात्र नहीं

बिना छात्र वाले स्कूलों में शिक्षकों की संख्या बढ़ी ▸▸ 10 राज्यों में 81576 स्कूलों में मात्र एक शिक्षक

नई दिल्ली।

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा वर्ष 2023-24 की यूडीआईएसई की रिपोर्ट जारी की है।इस रिपोर्ट के अनुसार अधिकांश राज्यों में ऐसे स्कूलों की संख्या घटी है। जिसमें एक भी छात्र पढ़ने के लिए नहीं आता है।रिपोर्ट के अनुसार बंगाल और राजस्थान में ऐसे स्कूल हैं।जहां पर छात्र नहीं है। लेकिन शिक्षकों की संख्या में वृद्धि हुई है।

बंगाल में 1241 ऐसे स्कूल है। जहां कोई भी छात्र पढ़ने के लिए नहीं आता है। इन स्कूलों में 7472 शिक्षक बढ़ गए हैं। इसी तरह राजस्थान में बिना छात्रों वाले स्कूलों की संख्या मैं 573 की वृद्धि हुई है।565 शिक्षक भी ऐसे स्कूलों में बढ़ गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार 2022-23 की तुलना में वर्ष 2023-24 की तुलना में सुधार हुआ है। 2022-23 में 118190 स्कूलों की तुलना में वर्ष 2023-24 में यह संख्या घटकर 110971 रह गई है। इसी तरह से एक शिक्षक वाले स्कूलों की संख्या में मध्य प्रदेश को नंबर 1 का राज्य बताया गया है। मध्य प्रदेश में 17110 स्कूल ऐसे थे। जहां पर एक ही शिक्षक तैनात था। अब मध्य प्रदेश में यह संख्या घटकर 13198 रह गई है।

वर्ष 2023-24 की रिपोर्ट के अनुसार जिन स्कूलों में केवल एक ही शिक्षक हैं। उनकी संख्या राज्यवार मध्य प्रदेश में 13198, आंध्र प्रदेश में 12611, उत्तर प्रदेश में 8866, झारखंड में 8353, महाराष्ट्र में 8196,कर्नाटक में 7821, राजस्थान में 7688, पश्चिम बंगाल में 6366,छत्तीसगढ़ में 5840, बिहार में 2637 स्कूल एक शिक्षक के भरोसे ही चल रहे हैं।

सरकारी स्कूलों में जिस तरह से शिक्षकों की कमी बनी हुई है। उसके कारण सरकारी स्कूलों से पालकों का मोह भंग हो रहा है। सरकारी स्कूलों में छात्रों की संख्या निरंतर घट रही है।

ड्रॉप आउट करने वाले छात्रों की संख्या भी विभिन्न राज्यों में बढ़ रही है। यह चिंता का विषय है।विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा नए स्कूल खोलने के स्थान पर जिन स्कूलों

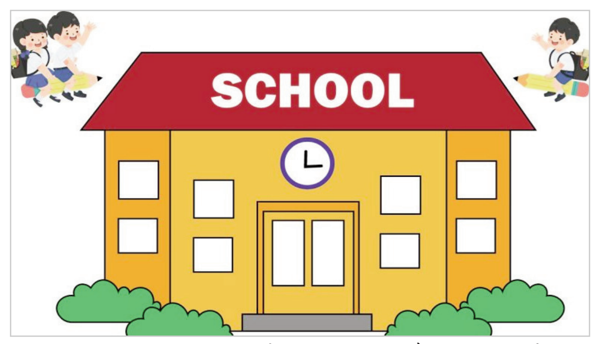

की छात्र संख्या कम थी उन स्कूलों का आपस में विलय कर दिया गया है। रिपोर्ट में इस बात की जानकारी नहीं दी गई है।कितनी स्कूलों का कितने राज्यों में विलय किया गया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नये चीनी वायरस से चिन्ता में डूबी दुनिया

चीन अपने यहां कोरोना वायरस पर भी लगाम लगाने में एक हद तक कामयाब रहा था। लेकिन वह दूसरे देशों में उसे फैलने से नहीं रोक पाया। लेकिन इस बार अब यह उम्मीद करनी चाहिए कि सजग चीन मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए अपने यहां से किसी भी संदिग्ध को किसी दूसरे देश की यात्रा न करने दें। साथ ही इस महामारी पर नियंत्रण पाने में जिस विधि एवं उपचार पद्धति से वह सफलता पाये, उसे समूची दुनिया से साझा करें, ताकि महामारी से महाविनाश का प्रकोप व्यापक न बन सके।

(लेखक- ललित गर्ग)

मानव इतिहास की सबसे बड़ी एवं भयावह महामारी कोरोना को झेल चुकी दुनिया पर एक और नये चीनी वायरस ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) के संक्रमण की खबर ने दुनियाभर को चिंता में डूबो दिया है, बाजार से लेकर सामान्य जन-जीवन तक में डर, खौफ, अफरा-तफरी एवं असमंजस्य का माहौल व्याप्त है। कोविड-19 और अन्य श्वसन वायरस की तरह एचएमपीवी भी खांसने, छींकने और संक्रमित लोगों के निकट संपर्क से उत्पन्न बूंदों या एरोसोल के माध्यम से फैलता है। बुखार, सांस फूलना, नाक बंद होना, खांसी, गले में खराश और सिरदर्द इसके सामान्य लक्षण हैं। लेकिन डॉक्टरों का कहना है कि कुछ मरीजों को इस संक्रमण के कारण ब्रोंकाइटिस और निमोनिया हो सकता है। एचएमपीवी के खिलाफ कोई टीका या प्रभावी दवा नहीं है और इलाज ज्यादातर लक्षणों को प्रबंधित करने के लिए होता है। चीन में सांस की बीमारियों के बढ़ते मामलों की खबरों के बाद, भारत सरकार ने सतर्कता बढ़ा दी है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने डब्ल्यूएचओ से स्थिति पर लगातार अपडेट देने का अनुरोध किया है।

नये वर्ष में प्रवेश की शुभबेला में एकाएक इस महामारी की खबर से दुनिया भौचक्क एवं खौफ में आ गयी है। क्योंकि कोविड-19 महामारी के पांच साल बाद, चीन मौजूदा समय में नए वायरस एचएमपीवी से जूझ रहा है। इस वायरस ने चीन में हजारों लोगों को अपनी गिरफ्त में ले लिया है। वहां हालात बेकाबू हो रहा हैं, अस्पतालों के बाहर मरीजों की भीड़ नजर आ रही है। हालांकि, हर बार की तरह चीन का कहना है कि मीडिया खबरों में कोई सच्चाई नहीं है। ये मौसम बदलने का असर है। ठंड बढ़ने से आमतौर पर लोग खांसी-जुकाम की समस्या से जूझते हैं। ये भी मौसम की वजह से ही हो रहा है। चीन के सरकारी ब्रॉडकास्टर सीसीटीवी की रिपोर्ट के अनुसार, दिसंबर के अंत में चीनी सीडीसी के आंकड़ों के मुताबिक 14 वर्ष और उससे कम आयु के मामलों में एचएमपीवी की पॉजिटिव दर में हाल ही में वृद्धि हुई है। एचएमपीवी वायरस से छोटे बच्चे, वृद्ध और कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले लोग ज्यादा प्रभावित हुए है। चीन के साथ ही दुनिया के अनेक हिस्सों से इस महामारी से पीड़ित लोगों की खबरें आ रही है। भारत में भी चीन का खतरनाक वायरस एचएमपीवी पहुंच गया है। खबरों की मानें तो बेंगलुरु में 8 महीने का एक बच्चा एचएमपीवी वायरस से संक्रमित पाया गया है। बच्चे का ब्लड टेस्ट किये जाने के बाद ये दावा किया जा रहा है। यह भारत में एचएमपीवी वायरस का पहला मामला है। हालांकि, भारत में एचएमपीवी वायरस के मामले की आधिकारिक पुष्टि अभी तक नहीं हुई।

चीन में सोशल मीडिया यूजर्स का कहना है कि इन्फ्लूएंजा ए, एचएमपीवी, माइकोप्लाज्मा न्यूमोनिया और कोविड सहित कई वायरस फैल रहे हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि एचएमपीवी मामलों में वृद्धि के कारण अचानक मृत्यु दर में चिंताजनक वृद्धि हुई है तथा 40 से 80 वर्ष की आयु के लोग विशेष रूप से इससे प्रभावित हुए हैं। चीन की जिम्मेदार एजेंसियां इस वायरस के दुष्प्रभाव को घटाने में लगी हैं और यह उम्मीद की जा रही है कि चीन इस रोग पर लगाम लगाने में कामयाब हो जाएगा। चीन अपने यहां कोरोना वायरस पर भी लगाम लगाने में एक हद तक कामयाब रहा था। लेकिन वह दूसरे देशों में उसे फैलने से नहीं रोक पाया। लेकिन इस बार अब यह उम्मीद करनी चाहिए कि सजग चीन मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए अपने यहां से किसी भी संदिग्ध को किसी दूसरे देश की यात्रा न करने दें। साथ ही इस महामारी पर नियंत्रण पाने में जिस विधि एवं उपचार पद्धति से वह सफलता पाये, उसे समूची दुनिया से साझा करें, ताकि महामारी से महाविनाश का प्रकोप व्यापक न बन सके। एचएमपीवी का संक्रमण व्यक्तिगत संपर्क से बढ़ रहा है। अगर किसी संक्रमित व्यक्ति के किसी सामान को कोई स्वस्थ व्यक्ति छुए या उसके सम्पर्क में आये तो संक्रमण का खतरा बताया जा रहा है। यह वायरस चूंकि नया है, तो इसका अभी कोई टीका नहीं है। इसकी कोई एंटीवायरल दवा भी नहीं है। यह अच्छी बात है कि अधिकांश मामलों में लोगों को मामूली समस्याएं आ रही हैं। ज्यादातर लोग लक्षण के अनुरूप उपचार और आराम से ही ठीक होते जा रहे हैं। चीन ने साफ तौर पर कुछ बताया नहीं है, मगर अनुमान यही है कि गंभीर मामलों में लक्षणों को प्रबंधित करने के लिए अस्पताल में भर्ती होने, ऑक्सीजन थेरेपी या कॉर्टिकोस्टेरॉइड उपचार की आवश्यकता पड़ सकती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की अगर मानें, तो इस वायरस का संक्रमण अक्तूबर महीने से ही बढ़ रहा है। अच्छा यही है कि यह बीमारी मौसमी साबित हो और कम से कम लोगों के जीवन पर असर डाले। कोरोना महामारी तो महाविनाश का कारण बनी थी, एचएमपीवी ऐसा अनर्थ ना करें।

चीन की साख कोरोना महामारी के कारण बहुत गिरी थी, दुनियाभर में लोगों के स्वास्थ्य पर हमला करने वाला चीन दुनिया की नजरों से गिर गया था। आखिर चीन अच्छी-अच्छी वस्तुओं, तकनीक एवं साजोसामान का निर्यात करते-करते महामारियों का निर्यातक क्यों बन गया? स्वास्थ्य एवं वैज्ञानिक क्रांति के लिये अग्रणी चीन अपने यहां आए दिन हो रहे ऐसे संक्रमण को लेकर सजग क्यों नहीं है? अब यह सवाल बिल्कुल जायज है कि वैज्ञानिक या कृत्रिम तरक्की की होड़ में कहीं चीन अपने लोगों के बुनियादी स्वास्थ्य की अनदेखी तो नहीं कर रहा है? कहीं चीनियों की रोग प्रतिरोधक क्षमता समाप्त या बहुत कम तो नहीं हो गई है? वे बार-बार किसी-न-किसी प्रकार की महामारी की चपेट में आ रहे हैं और सम्पूर्ण मानव जाति को इससे पीड़ित बना रहे है तो यह गंभीर बात है। क्या इसका बड़ा कारण चीनी लोगों को खान-पान है? जरूरत से ज्यादा सुविधावादी जीवनशैली, कृत्रिम संसाधनों की प्रचुरता एवं अप्राकृतिक जीवन उनकी सेहत पर भारी पड़ रहा है।

ध्यान रहे कोरोना महामारी के समय विश्व स्वास्थ्य संगठन की भूमिका संतोषजनक नहीं थी। कोरोना महामारी की भयावहता के बावजूद वह चीन के प्रति उदार बना रहा। इसलिये एचएमपीवी महामारी के सन्दर्भ में सवाल उठ रहे हैं कि क्या डब्ल्यूएचओ गंभीरता दिखाते हुए पर्याप्त कदम उठायेगा? क्या उसने कोरोना महामारी के समय चीन से सही सवाल पूछे होते तो इस बीमारी के संभावित खतरे को नियंत्रित किया जा सकता था? क्या कोरोना बीमारी को लेकर विश्व को समय से सलाह न दे पाने में नाकाम रहने के लिए उसे जिम्मेदार माना जाना चाहिए? इस नयी महामारी को लेकर भी इन्हीं कारणों से डब्ल्यूएचओ पर ज्यादा विश्वास कैसे किया जा सकता है? भारत में स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक डॉ.अतुल गोयल ने शुक्रवार को कहा कि एचएमपीवी एक सामान्य सांस संबंधी वायरस है जो सर्दी जैसे लक्षण पैदा करता है। कुछ लोगों को, खासकर बुजुर्गों और शिशुओं को, फ्लू जैसे लक्षण हो सकते हैं। लेकिन यह कुछ गंभीर या चिंताजनक नहीं है।' डॉ. गोयल ने भले से मनोवैज्ञानिक तरह से एचएमपीवी वायरस को गंभीर न बताकर इसके आतंक को कम कर दिया है, सरकार भी इस महामारी को लेकर सतर्क है, लेकिन फिर भी इस नये वायरस की त्रासदी एवं संकट से जूझ रहे विश्व-मानव को सावधान रहना चाहिए। विभिन्न देशों की सरकारों एवं डब्ल्यूएचओ का मुख्य उद्देश्य दुनिया भर के लोगों के स्वास्थ्य के स्तर को ऊंचा उठाना है। हर इंसान का स्वास्थ्य अच्छा हो और महामारी का शिकार होने पर हर व्यक्ति को अच्छे प्रकार के इलाज की अच्छी सुविधा मिल सके, ऐसे प्रयास करने है। इक्कीसवीं सदी की पहली रजत जयन्ती वर्ष की शुरुआत नये वायरस की महामारी के रूप में एक वैश्विक त्रासदी के साथ होना दु:खद है। ऐसी त्रासदी जो विश्व की बड़ी सत्ताओं को मानव कल्याण की नीतियों को अपनाने एवं इंसान को अपने जीवन मूल्यों और जीवनशैली पर पुनर्चिंतन करने को मजबूर कर रही है और उनका आत्मविश्वास एवं मनोबल बढ़ाने की आवश्यकता व्यक्त कर रही है।

संपादकीय

नये वायरस की दस्तक

पिछले दिनों सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर चीन में नया वायरस फैलने की आधी-अधूरी खबरें मिल रही थीं ,सोमवार तक उसी तरह के तीन मामले भारत में भी देखे गए। दो मामले बेंगलूरु में और एक मामला गुजरात में। छोटे बच्चों में फैलने वाले इस वायरस को लेकर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की एडवाइजरी बता रही है कि घबराने की जरूरत नहीं है। यह वायरस दुनिया के कई देशों में पहले से ही मौजूद रहा है। हालांकि, यह कहना मुश्किल है कि चीन में फैल रहा वायरस कितना घातक है। केंद्रीय स्वास्थ्य व परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा सलाह दी जा रही है कि सावधान रहने की जरूरत है, घबराने की नहीं। लोग उसी गाइडलाइन का पालन करें जो कोविड के वक्त 'क्या करें और क्या न करें' के रूप में जारी की गई थी। दरअसल, चीन में ह्यूमन मेटा न्यूमो वायरस यानी एचएमपीवी के मामलों में वृद्धि की खबरों ने पूरी दुनिया में चिंता बढ़ाई है। हालांकि, दुनिया के चिकित्सा विशेषज्ञ कह रहे हैं कि यह सांसों से जुड़ा सामान्य वायरस है, जो सर्दी-जुकाम जैसी बीमारियां पैदा करता है। खासकर बच्चे व बुजुर्ग इससे ज्यादा प्रभावित होते हैं। लेकिन चिंता तब पैदा हो सकती है जब पता चले कि चीन के उत्तरी इलाकों में फैलने वाला वायरस म्यूटेशन से गंभीर बन गया है। हालांकि, चीनी नीति-नियंताओं की दलील रही है कि उत्तरी गोलार्ध में ठंड के मौसम में सांस की नली का संक्रमण आम बात है। फिर भी बताते हैं कोरोना का स्रोत माने जा रहे चीन में इस वायरस को लेकर गंभीरता देखी जा रही है और उसके नियंत्रण के लिये चीन के नेशनल डिजीज कंट्रोल एंड प्रीवेन्शन संस्थान की देखरेख में विशेष निगरानी सिस्टम बनाया गया है। चीन सरकार ने दिसंबर के तीसरे सप्ताह में उत्तरी प्रांतों में चौदह साल से कम उम्र के बच्चों के इस वायरस से पीड़ितों की संख्या में वृद्धि के बाद यह कदम उठाया था। हालांकि, एचएमपीवी के स्रोत के बारे में अभी कोई ठोस जानकारी उपलब्ध नहीं है। दरअसल, यह संक्रामक बीमारी दुनिया के विभिन्न देशों में किसी न किसी रूप में विद्यमान रही है। जिसमें खांसी व छींक से निकलने वाले थूक के कणों से यह वायरस फैलता है। ऐसे में संक्रमण से बचने के लिये हाथ मिलाने, दूसरों को छूने व गले मिलने से परहेज करने की सलाह दी जाती है। यदि हम सावधानी न बरतें तो वायरस हमें संक्रमित कर सकता है। कोरोना वायरस से बचाव की ही तरह खांसने -छींकने पर कपड़ा या रूमाल रखने की सलाह दी जाती है। निरंतर कपड़े को बदलने तथा नियमित रूप से साबुन से हाथ धोने की भी सलाह दी जाती है। जुकाम लगने पर मास्क पहनने तथा घर पर आराम करने की भी सलाह दी जाती है। साथ ही गुनगुना पानी पीने तथा पौष्टिक आहार की सलाह भी दी जाती है। निश्चित रूप से दमा व सांस की अन्य बीमारियों व दूसरे गंभीर रोगों से पीड़ितों के लिये यह वायरस कुछ परेशानी बढ़ा सकता है। लेकिन इसमें अस्पताल में भर्ती होने की स्थिति कम ही आएगी। चिकित्सक के परामर्श से ही खांसी- बुखार की दवा लेने की सलाह दी जाती है। बहरहाल, चिकित्सा विशेषज्ञ इस वायरस से भयभीत न होने की सलाह लगातार दे रहे हैं। उनका कहना है कि इस वायरस की खोज इस सदी के पहले ही वर्ष में हुई थी। वायरस का प्रसार चिड़ियाओं के जरिये हुआ था, जो इंसान को संक्रमित कर सकता था। इसकी दशकों से मौजूदगी के चलते लोगों में इसको लेकर एक स्तर तक रोग प्रतिरोधक क्षमता मौजूद है। यह एक सामान्य फ्लू की तरह बताया जा रहा है। हालांकि, इस वायरस के उन्मूलन के लिये कोई वैक्सीन उपलब्ध नहीं है।

सांस्कृतिक परम्पराओं के चलते पूरे विश्व में अपना विशेष स्थान बनाता भारत

(लेखक- प्रहलाद सबनानी)

आर्थिक क्षेत्र में प्रगति की दृष्टि से भारत की अपनी विशेषताएं हैं, जो अन्य देशों में नहीं दिखाई देती हैं। उदाहरण के लिए भारत में आयोजित होने वाले धार्मिक आयोजनों एवं मेलों आदि में भाग लेने वाले श्रद्धालुओं द्वारा न केवल आध्यात्मिक दृष्टि से इन मेलों/कार्यक्रमों में भाग लिया जाता है बल्कि इन श्रद्धालुओं द्वारा इन स्थानों पर किये जाने वाले खर्च से स्थानीय स्तर पर व्यापार को बढ़ावा देने एवं रोजगार के लाखों नए अवसर निर्मित करने में भी अपना योगदान दिया जाता है। इसी प्रकार, धार्मिक पर्यटन भी केवल भारत की विशेषता है। प्रतिवर्ष करोड़ों परिवार धार्मिक स्थलों पर, विशेष महुरतों पर, पूजा अर्चना करने के लिए इकट्ठा होते है। जम्मू में माता वैष्णोदेवी मंदिर, वाराणसी में भगवान भोलेनाथ मंदिर, अयोध्या में प्रभु श्रीराम मंदिर, उज्जैन में बाबा महाकाल मंदिर, दक्षिण में तिरुपति बालाजी मंदिर आदि ऐसे श्रद्धास्थल है जहां पूरे वर्ष भर ही श्रद्धालुओं का तांता लगा रहता है। प्रत्येक 3 वर्षों के अंतराल पर आयोजित होने वाले कुम्भ के मेले में भी करोड़ों की संख्या में श्रद्धालु ईश्वर की पूजा अर्चना हेतु प्रयागराज, हरिद्वार, नासिक एवं उज्जैन में पहुंचते हैं। शीघ्र ही, 14 जनवरी 2025 से लेकर 26 फरवरी 2025 तक प्रयागराज में महाकुम्भ मेले का आयोजन किया जा रहा है। महाकुम्भ की 44 दिनों की इस इस पूरी अवधि में प्रतिदिन एक करोड़ श्रद्धालुओं के भारत एवं अन्य देशों से प्रयागराज पहुंचने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है, इस प्रकार, कुल मिलाकर लगभग 45 करोड़ से अधिक श्रद्धालुगण उक्त 44 दिनों की अवधि में प्रयागराज पहुंचेंगे। करोड़ों की संख्या में पहुंचने वाले इन श्रद्धालुगणों द्वारा इन तीर्थस्थलों पर अच्छी खासी मात्रा में खर्च भी किया जाता है। जिससे विशेष रूप से स्थानीय अर्थव्यवस्था को तो बल मिलता ही है, साथ ही करोड़ों की संख्या में देश में रोजगार के नए अवसर भी निर्मित होते हैं एवं होटल उद्योग, यातायात उद्योग, पर्यटन से जुड़े व्यवसाय, स्थानीय स्तर के छोटे छोटे उद्योग एवं विभिन्न उत्पादों के क्षेत्र में कार्य कर रहे व्यापारियों के व्यवसाय में भी अतुलनीय वृद्धि होती दिखाई देती है। इसी प्रकार, भारत में विवाहों के मौसम में सम्पन्न होने वाले विवाहों पर किए जाने वाले भारी भरकम खर्च से भी भारतीय अर्थव्यवस्था को बल मिलता है। वर्ष 2024 के, मध्य नवम्बर से मध्य दिसम्बर के बीच, भारत में 50 लाख विवाह सम्पन्न हुए हैं। उक्त एक माह की अवधि के दौरान सम्पन्न हुए इन विवाहों पर भारतीय परिवारों द्वारा 7,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि का खर्च किया गया है। जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में सम्पन्न हुए विवाहों पर 5,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि का खर्च किया गया था। उक्त वर्णित 50 लाख विवाहों पर औसतन प्रति विवाह 14,000 डॉलर, अर्थात लगभग 13 लाख रुपए की राशि का खर्च किया गया है एवं 50,000 विवाहों पर तो एक करोड़ रुपए से अधिक की राशि का खर्च किया गया है। भारत में प्रति विवाह होने वाला औसत खर्च, परिवार की औसत प्रतिवर्ष की कुल आय का तीन गुणा एवं देश में औसत प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के 5 गुणा के बराबर रहता है। भारत में विवाहों पर पूरे वर्ष में कुल 13,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का खर्च किया जाता है जो चीन के बाद दूसरे स्थान पर है। चीन में प्रतिवर्ष विवाहों पर 17,800 करोड़ अमेरिकी डॉलर का खर्च किया जाता है। ऐसी उम्मीद की जा रही है कि आगामी वर्ष में भारत, विवाहों पर किए जाने वाले खर्च की दृष्टि से, चीन को पीछे छोड़कर पूरे विश्व में प्रथम स्थान पर आ जाएगा। भारत में प्रति वर्ष एक करोड़ विवाह सम्पन्न होते हैं। भारत में सर्दियों के मौसम को विवाहों का मौसम कहा जाय तो कोई अतिशयोक्ति नहीं हैं क्योंकि पूरे वर्ष भर में सम्पन्न होने वाले विवाहों में से लगभग 50 प्रतिशत विवाह सर्दियों के मौसम में ही सम्पन्न होते हैं। भारत में विवाहों पर होने वाले भारी भरकम राशि के कुल खर्च में से प्रीवेडिंग फोटोग्राफी, वेडिंग फोटोग्राफी, पोस्टवेडिंग फोटोग्राफी पर लगभग 10 प्रतिशत की राशि का खर्च किया जाता है। विवाह के स्थान के चयन एवं साज सज्जा पर वर्ष 2023 में 18 प्रतिशत की राशि का खर्च किया गया था, जो वर्ष 2024 में बढ़कर 26 प्रतिशत हो गया है क्योंकि भारतीय परिवारों द्वारा विवाह अब अन्य शहरों यथा गोवा, पुष्कर, उदयपुर एवं केरला जैसे स्थानों पर सम्पन्न किया जा रहे हैं। खानपान आदि पर कुल खर्च का लगभग 10 प्रतिशत भाग खर्च किया जा रहा है। म्यूजिक आदि पर लगभग 6 प्रतिशत की राशि का खर्च किया जा रहा है। इसी प्रकार, ज्वेलरी, ऑटो बाजार एवं सोशल मीडिया आदि पर भी अच्छी खासी राशि का खर्च किया जाता है। इससे, उक्त समस्त क्षेत्रों में रोजगार के लाखों नए अवसर निर्मित होते हैं। अत: भारत में विवाहों के मौसम में होने वाले भारी भरकम राशि के खर्च से देश के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर को तेज करने में सहायता मिलती है।

हाल ही में सम्पन्न हुए विवाहों के मौसम में भारतीय परिवारों द्वारा किए गए खर्च के चलते अब ऐसी उम्मीद की जा रही है कि वित्तीय वर्ष 2024-25 की तृतीय तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर को गति मिलेगी जो द्वितीय तिमाही में गिरकर 5.2 प्रतिशत के स्तर पर आ गई थी। विनिर्माण क्षेत्र एवं सेवा क्षेत्र में विकास दर अधिक रहने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। बंग्लादेश में राजनैतिक अस्थिरता के चलते रेडीमेड गार्मेंट्स के क्षेत्र में विनिर्माण इकाईयां बंद हो रही हैं एवं वैश्विक स्तर पर रेडीमेड गर्मेंट्स के क्षेत्र में कार्यरत सप्लाई चैन की इकाईयां बांग्लादेश के स्थान पर अब भारत से निर्यात को प्रोत्साहित कर रही हैं। जिससे भारत में रेडीमेड गर्मेंट्स एवं फूटवीयर उद्योग में कार्यरत इकाईयों को इन उत्पादों को अन्य देशों को निर्यात करने के ऑर्डर लगातार बढ़ रहे हैं।

उक्त कारकों के चलते भारत में परचेसिंग मैन्युफैक्चरिंग इंडेक्स नवम्बर 2024 माह के 58.6 से बढ़कर वर्तमान में 60.7 हो गया है। इस इंडेक्स के ऊपर जाने का आशय यह है कि विनिर्माण के क्षेत्र में गतिविधियों में गति आ रही है। इसके साथ ही उपभोक्ता मूल्य सूचकांक भी 6.21 प्रतिशत से घटकर 5.48 प्रतिशत पर नीचे आ गया है, अर्थात, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रा स्फीति की दर भी नियंत्रण में आ रही है। जिससे आगे आने वाले समय में नागरिकों की खर्च करने की क्षमता में वृद्धि होगी। हाल ही के वर्षों में विनिर्माण उद्योग, सेवा क्षेत्र एवं गिग अर्थव्यवस्था में रोजगार के करोड़ों नए अवसर निर्मित हुए हैं और वर्ष 2005 के बाद से इस वर्ष विभिन्न कम्पनियों द्वारा सबसे अधिक नई भर्तियां, रिकार्ड स्तर पर, की गई हैं।

(चिंतन-मनन)

प्रयश्चित ही कर्म फल से मुक्ति का आधार है

यह ठीक है कि जिस व्यक्ति के साथ अनाचार बरता गया अब उस घटना को बिना हुई नहीं बनाया जा सकता। सम्भव है कि वह व्यक्ति अन्यत्र चला गया हो। ऐसी दशा में उसी आहत व्यक्ति की उसी रूप में क्षति पूर्ति करना सम्भव नहीं। किन्तु दूसरा मार्ग खुला है। हर व्यक्ति समाज का अंग है। व्यक्ति को पहुँचाई गई क्षति वस्तुत- प्रकारान्तर से समाज की ही क्षति है।

उस व्यक्ति को हमने दुष्कर्मों से जितनी क्षति पहुँचाई है उसकी पूर्ति तभी होगी जब हम उतने ही वजन के सत्कर्म करके समाज को लाभ पहुँचाये। समाज को इस प्रकार हानि और लाभ का बैलेन्स जब बराबर हो जायेगा तभी यह कहा जायेगा कि पाप का प्रायश्चित हो गया और आत्मग्लानि एवं आत्मप्रताड़ना से छुटकारा पाने की स्थिति बन गई। सस्ते मूल्य के कर्मकाण्ड करके पापों के फल से छुटकारा पा सकना सर्वथा असम्भव है। स्वाध्याय, सत्संग, कथा, कीर्तन, तीर्थ, व्रत आदि से चित्त में शुद्धता की वृद्धि होना और भविष्य में पाप वृत्तियों पर अंकुश लगाने की बात समझ में आती है। धर्म कृत्यों से पाप नाश के जो माहात्म्य शास्त्रों में बताये गये हैं उनका तात्पर्य इतना ही है कि मनोभूमि का शोधन होने से भविष्य में बन सकने वाले पापों की सम्भावना का नाश हो जाये। ईश्वरीय कठोर न्याय व्यवस्था में ऐसा ही विधान है कि पाप परिणामों की आग में जल मरने से जिन्हें बचना हो वे समाज की उत्कृष्टता बढ़ाने की सेवा-साधना में संलग्न हों और लदे हुए भार से छुटकारा प्राप्त कर शान्ति एवं पवित्रता की स्थिति उपलब्ध कर लें।

विचार मंथन

एक राज्य से दूसरे राज्यों में जाने वाले प्रवासियों की संख्या में कमी

(लेखक- सनत जैन)

2011 से 2023 के बीच अपने राज्य से दूसरे राज्यों में रोजगार के लिए जाने वालों की संख्या में 9त्न की गिरावट दर्ज की गई है। सरकारी रिपोर्ट में सामाजिक और आर्थिक विकास मे जो बदलाव आ रहे हैं, उसका यह एक संकेत है। करोना महामारी के बाद से प्रवासियों को लेकर नई स्थिति देखने को मिल रही है। हाल की सरकारी रिपोर्ट बताती है, 75त्न प्रवासी अपने शहर से 500 किमी के भीतर ही रोजगार के लिए जाना पसंद कर रहे हैं। इसका सबसे बड़ा कारण सुरक्षा बताया जा रहा है। प्रवासियों की इस गिरावट के कई प्रमुख कारण सामने आए हैं। स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसरों में वृद्धि भी हुई है। ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में विकास योजनाओं और औद्योगिक इकाइयों की स्थापना ने रोजगार के अवसरों को स्थानीय स्तर पर बढ़ाया है। महामारी के दौरान लगाए गए लॉकडाउन के बाद अन्य राज्यों में प्रवासियों के लिए अनुकूल स्थिति नहीं होने से, अब प्रवासियों का मोह भंग हो गया है। महामारी के बाद प्रवासियों को जो अनुभव हुए हैं। उसके बाद वह अपने मूल स्थानों पर रहकर रोजगार और अन्य संसाधन से रोजगार के लियेप्रयत्न कर रहे हैं। रिपोर्ट मे उल्लेख किया गया है, बिहार से सबसे अधिक लोग रोजगार की तलाश में महाराष्ट्र जा रहे हैं। महाराष्ट्र जैसे औद्योगिक राज्य,आर्थिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र हैं। प्रवासियों के लिए आज भी महाराष्ट्र सबसे बड़े आकर्षण का केंद्र है। बिहार में रोजगार की कमी के कारण अभी भी बड़ी संख्या में बिहार के प्रवासी महाराष्ट्र एवं अन्य राज्यों में जाते हैं। कोविड-19 ने एक राज्य से दूसरे राज्यों में जाने वालों की प्रवासियों आवाजाही का स्वरूप ओर सोच को पूरी तरह से बदल दिया है। इसके बाद आये इस बदलाव से प्रवासियों मैं अन्य राज्यों में जाकर रोजगार करने की प्रवृत्ति कम होती जा रही है। प्रवासियों को लेकर राज्य सरकारों की भी बड़ी बदनामी हुई है। वह अपने राज्य में लोगों को रोजगार और मजदूरी के अवसर नहीं दिला पा रहे हैं। इसके बाद राज्य सरकारों ने पलायन को रोकने के लिए स्थानीय विकास और सरकार की योजनाओं पर ज्यादा ध्यान दिया है। वोकल फॉर लोकल जैसे सरकारी अभियानों से ग्रामीण क्षेत्रों के पलायन में आगे भी कमी आने की संभावना सरकारें जाता रही हैं। औद्योगिक राज्यों जैसे महाराष्ट्र और गुजरात के प्रति अभी भी आकर्षण प्रवासियों का बना हुआ है। प्रवासन के बदलते सरकारी आंकड़े यह संकेत दे रहे हैं। भारत में आर्थिक और सामाजिक संतुलन को लेकर धीरे-धीरे नई सोच विकसित हो रही है। रोजगार और मजदूरी के लिए अन्य राज्यों में जाने वाले प्रवासियों की संख्या में इसलिए भी कमी आ रही है। उसमें कई राज्यों में जिस तरह की कानून व्यवस्था की स्थिति निर्मित हुई है। उससे प्रवासियों के बीच में डर और भय भी है। धार्मिक अलगाव को लेकर जो वातावरण देश के विभिन्न राज्यों में बन रहा है। महंगाई की मार भी सबसे बड़ा कारण है। भारत मे विभिन्न राज्यों के नागरिकों में असुरक्षा की भावना गहरी हुई है। हरियाणा, पंजाब, जम्मू कश्मीर, उत्तर प्रदेश एवं अन्य राज्यों में जहां बड़ी संख्या में प्रवासी जाते थे। वहां पर जिस तरह के हालात बने हुए हैं। उसको लेकर भी प्रवासी अन्य राज्यों में जाकर कोई जोखिम नहीं उठाना चाहते हैं। जिसके कारण अन्य राज्यों में आने जाने प्रवासियों की संख्या में लगातार कमी देखने को मिल रही है। इसका यह असर भी देखने को मिल रहा है। कई राज्यों में औद्योगिक, कृषि कार्यों एवं अन्य कार्यों के लिए मांग के अनुरूप उन्हें मजदूर और अप्रशिक्षित कर्मचारी नहीं मिल रहे हैं। जिसके कारण इसका असर औद्योगिक संस्थानों और कृषि के क्षेत्र में भी देखने को मिल रहा है। प्रवासियों को लेकर सरकारी रिपोर्ट और वास्तविकता में बड़ा अंतर है। जो प्रवासी अन्य राज्यों में जाते हैं। अब उन्हें अपनी सुरक्षा को लेकर सबसे ज्यादा भय रहता है। जिसके कारण अपने मूल निवास स्थल के आसपास रोजगार और काम धंधे की तलाश कर रहे हैं।

प्रवासी भारतीयों की सोच में जो बदलाव आया है। उसके कारण भारत के कई राज्य, विकास एवं औद्योगिक कार्यों में पिछड़े रहे हैं। इस तथ्य को अनदेखा नहीं किया जा सकता है। महंगाई, रेलवे का बढ़ता किराया, ट्रेनों में सामान्य डिब्बों की संख्या लगातार कम हो रहे हैं। जिसके कारण प्रवासियों को काफी कष्ट उठाना पड़ता है। अन्य राज्यों से जाने वाले लोगों को दूसरे राज्यों में जाकर मजदूरी करना अब पहले की तुलना में ज्यादा जोखिम भरा हो गया है। यह भी प्रवासियों की संख्या घटने का एक सबसे बड़ा कारण बताया जा रहा है।

तुअर की दाल के दामों में भारी गिरावट

इंदौर । भारत के बाजारों में तुअर के दामों में भारी गिरावट देखने को मिल रही है। अभी तक 500 रूपये प्रति क्विंटल की गिरावट आ चुकी है। उत्पादक मंडियों मे तुअर की आवक बढ़ रही है। दाल मिलों और स्टॉकिस्टों की ठंडी मांग के चलते बाजार में गिरावट का रुख बना हुआ है। बाजार से प्राप्त जानकारी के अनुसार आयातकों की बिकवाली होने से बाजारों में तुअर दाल के दामों में लगातार गिरावट देखने को मिल रही है। इंदौर की मंडी में तुवर के भाव 6900 प्रति क्विंटल रह गए हैं।व्यापारियों के अनुसार मुंबई पोर्ट पर लेमन तुअर 6900 सफेद तुअर 6500 तथा उड़द का 7800 रुपए प्रति क्विंटल पर पर कारोबार हो रहा है।

इंडो फार्म का शेयर 20 प्रतिशत से अधिक बढ़त के साथ सूचीबद्ध

- बीएसई पर शेयर ने 258.40 रुपये पर शुरुआत की

नई दिल्ली । इंडो फार्म इक्विपमेंट का शेयर अपने निर्गम मूल्य 215 रुपये से 20 प्रतिशत से अधिक बढ़कर मंगलवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर ने 258.40 रुपये पर शुरुआत की जो निर्गम मूल्य से 20.18 प्रतिशत का बढ़त दिखाता है। इसके बाद यह 33.44 प्रतिशत चढ़कर 286.90 रुपये पर पहुंच गया। एनएसई पर यह 19 प्रतिशत की बढ़त के साथ 256 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 1,355.30 करोड़ रुपये रहा। इंडो फार्म इक्विपमेंट के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को पिछले दिनों बोली के अंतिम दिन तक 227.57 गुना अभिदान मिला था। कंपनी के 260 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 204-215 रुपये प्रति शेयर तय किया गया था। इंडो फार्म इक्विपमेंट ट्रैक्टर, पिक एंड कैरी क्रेन और अन्य कृषि उपकरण बनाती है।

भारतीय प्रौद्योगिकी की गाथा बेहद रोमांचक, सीईएस में जारी रहेगी: शीर्ष अधिकारी

- प्रौद्योगिकी कार्यक्रम 10 जनवरी तक चलेगा

लास वेगास । कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स शो (सीईएस) के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि भारतीय प्रौद्योगिकी गाथा बेहद रोमांचक है और उम्मीद की जा रही है कि यह सीईएस में जारी रहेगी। सीईएस, दुनिया का सबसे बड़ा प्रौद्योगिकी कार्यक्रम, 10 जनवरी तक चलेगा। यहां वैश्विक कंपनियां नवोन्मेषी स्टार्टअप, उद्योग जगत के लोग, मीडिया तथा सरकारी अधिकारी भाग लेंगे। 1,400 स्टार्टअप सहित 4,500 से अधिक प्रदर्शक इसमें शामिल होंगे। केली ने कहा कि भारत तेजी से एक वैश्विक खिलाड़ी बन रहा है और इसका महत्व वैश्विक प्रौद्योगिकी परिवेश में बढ़ रहा है। उन्होंने इस संस्थान से भारतीय कंपनियों के साथ विकास के लिए साझेदारी की बात कही। सीईएस में पहली बार भारतीय मंडप समेत कई छोटे उद्यम शामिल होंगे, जिसे उन्होंने रोमांचक बताया। बड़ी तथा छोटी कंपनियां अपनी प्रौद्योगिकी, उत्पाद और समाधान को प्रदर्शित करेंगी। संगठन अनुसार 300 से अधिक सम्मेलन सत्रों में 1,100 वक्ता भाग लेंगे। इस वर्ष भारत के स्टार्टअप और उद्यमिता के प्रौद्योगिकी उत्पादों का प्रदर्शन करेंगें। सीईएस एक अवसर है जहां विश्व में अपनी पहचान बनाने का मौका मिलेगा।

कल्याण ज्वैलर्स का राजस्व 39 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली । चालू वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही में कल्याण ज्वैलर्स का राजस्व सालाना आधार पर 39 प्रतिशत बढ़ा। मजबूत त्यौहारी और शादी-ब्याह की मांग से इसे बल मिला। कंपनी का वित्त वर्ष 2023-24 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) में एकीकृत राजस्व 5,223.07 करोड़ रुपये रहा था। कल्याण ज्वैलर्स के भारतीय परिचालन में राजस्व वृद्धि वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही में 41 प्रतिशत तथा पश्चिम एशिया में 22 प्रतिशत रही। कंपनी ने अगले वित्त वर्ष 2025-26 में भारत तथा विदेशों में कल्याण व डिजिटल मंच 'कैंडेरे फॉर्मेट' में 170 नए शोरूम शुरू करने की योजना बनाई है। 31 दिसंबर 2024 तक कंपनी के अपने सभी ब्रांड के 349 शोरूम थे।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले से खाताधारकों को मिली बड़ी राहत

- गलत तरीके से पैसा कटा तो बैंक होगा जिम्मेदार

नई दिल्ली ।

सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है, जिसमें उन्होंने खाताधारकों को बड़ी राहत देने का निर्णय लिया है। कोर्ट ने कहा है कि अगर किसी ग्राहक के खाते से अनधिकृत और धोखाधड़ी वाला ऑनलाइन लेनदेन होता है, तो उसे तीन दिनों के भीतर रिजर्व बैंक को शिकायत दर्ज करानी होगी। इस मामले में बैंक को ग्राहक को नुकसान की राशि की भरपाई करनी होगी। इस फैसले से ग्राहकों को सुरक्षा और विश्वास भी` मिलेगा। जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और जस्टिस आर. महादेवन की बेंच ने कहा कि बैंकों को धोखाधड़ी वाले लेन-देन का पता लगाने और रोकने के लिए तकनीकों का सही उपयोग करना चाहिए। यह फैसला न केवल ग्राहकों को सुरक्षित बनाएगा, बल्कि बैंकों को भी उनकी सुरक्षा प्रणालियों को मजबूत करने के लिए मजबूर करेगा। ग्राहकों को सलाह दी गई है कि वे सतर्क रहें और किसी के साथ ओटीपी साझा न करें। इस फैसले के तहत भारतीय स्टेट बैंक को एक ग्राहक को 94,204 रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया गया है। यह मामला 18 अक्टूबर 2021 को हुए एक अनधिकृत लेन-देन के मामले से जुड़ा है। सुप्रीम कोर्ट ने गुवाहाटी हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखा है और एसबीआई की याचिका को खारिज कर दिया गया है। यह फैसला ग्राहकों को समय पर शिकायत दर्ज करने के लिए प्रोत्साहित करेगा और बैंकों को उनकी सुरक्षा प्रणालियों को मेहराबान करेगा। ग्राहकों को अब यह आशा है कि उनकी शिकायतों की ठीक कार्रवाई की जाएगी और उनके नुकसान की पूर्ति होगी।

भूगर्भ में छिपा हुआ है हाइड्रोजन का विशाल भंडार

दुनिया को लगभग 200 साल तक कर सकता है बिजली सप्लाई

वॉशिंगटन ।

आधुनिक वैज्ञानिकों का मानना है कि पृथ्वी के भूगर्भ में छिपा हुआ हाइड्रोजन अद्वितीय संसाधन हो सकता है जो पूरी दुनिया को लगभग 200 साल तक बिजली सप्लाई कर सकता है। यह खोज एक नया मार्ग प्रदर्शित कर सकती है। हालांकि, हाइड्रोजन हाइड्रोजन के बारे में कुछ बुनियादी सवाल उठाए जा रहे हैं। भंडारण की अवधि, उत्पादन प्रक्रिया और उपयोग के प्रकार पर विचार किया जा रहा है। वैज्ञानिकों की रिपोर्ट के अनुसार, इस प्राकृतिक संसाधन में ऐसी दुर्लभता मौजूद है जो सभी पूर्वानुमानों को छुड़ा सकती है। यह जनस्वास्थ्य, वायुप्रदूषण और ऊर्जा संयंत्रों के साथ सांचा हिट कर सकता है। जबकि शोधकर्ता इस संसाधन को पहचान चुके हैं, उन्हें इसे उत्पादित करने के लिए केसे निकालेंगे और कैसे वैश्विक स्तर पर इसे लागू करेंगे, यह भी सोचने लायक सवाल है। आखिरकार, जब हम अपने पर्यावरण के लिए उर्जा की जरुरत से सजग हो रहे हैं, हाइड्रोजन का संसाधन समय की आवश्यकताओं का अनुपालन करने में मदद कर सकता है।

स्मार्टफोन कलपुर्जों पर शुल्क कटौती से प्रभावित होगा इलेक्ट्रॉनिक परिवेश: जीटीआरआई

- व्यवसायिक उत्पादन को हो सकता है नुकसान

नई दिल्ली । वित्त वर्ष 2025-26 के सरकारी बजट में स्मार्टफोन के कलपुर्जों पर सीमा शुल्क में कटौती की पूर्वानुमानित सूचनाएं भारतीय व्यावसायिक सेक्टर को लेकर चिंताजनक संकेत दे रही हैं। आर्थिक शोध संस्थान जीटीआरआई ने इस विषय पर अपनी रिपोर्ट में दावा किया है। जीटीआरआई के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि स्मार्टफोन उद्योग ने वर्ष 2023-24 तक भारत के लिए बड़े निर्यात का दरवाजा खोला है। इसका निर्यात 15.6 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने की संभावना है। हालांकि, सीमा शुल्क में कटौती की संभावना पर चिंता जताते हुए उन्होंने बताया कि ऐसी कटौती से व्यवसायिक उत्पादन को नुकसान पहुंच सकता है। यह उत्पादन में कमी लाने, निवेश की कमी करने और नौकरियों के लिए चिंता का कारण बन सकती है। उन्होंने सुझाव दिया कि इस स्थिति से बचने के लिए शुल्क में कटौती की बजाय कंपनियों को अपने भंडारण और आयात की क्षमता में सुधार करने की आवश्यकता है। जीटीआरआई के अनुसार, इस निर्णय से भारत के व्यावसायिक सेक्टर पर असर पड़ सकता है। इसे ध्यान में रखते हुए सरकार को सख्ती से कुछ सरल और कारगर कदम उठाने की आवश्यकता है।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

उर्जा शेयरों में रही तेजी

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे कारोबारी दिन एशियाई सहित दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी होने से घरेलू शेयर ऊपर आया है। वहीं गत दिवस बाजार भारी गिरावट पर बंद हुआ था। आज उर्जा शेयरों में तेजी से बाजार में उछाल आया। इसके अलावा रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक, आईटीसी जैसे शेयरों में बढ़त से बाजार को बल मिला।

दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स आज 234.12 अंक करीब 0.30 फीसदी की बढ़त लेकर 78,199.11 अंक पर बंद हुआ। इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी अंत में 91.85 अंक तकरीबन 0.39 फीसदी की बढ़त लेकर 23,707.90 के स्तर पर बंद हुआ। आज स्मॉल-कैप शेयरों ने भी अच्छा प्रदर्शन किया। निफ्टी 1.35 फीसदी बढ़कर बंद हुआ। वहीं निफ्टी मिडकैप 0.89 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ।

आज सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से टाटा मोटर्स का शेयर सबसे ज्यादा ऊपर आया। टाइटन , अदाणी पोर्ट्स, इंडसइंड बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एशियन पेंट्स, पावर ग्रिड और टाटा मोटर्स के शेयर भी बढ़त पर बंद हुए।

दूसरी ओर जोमैटो का शेयर सबसे ज्यादा नीचे आया। टीसीएस, एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, एक्सिस बैंक, एनटीपीसी, टाटा मोटर्स और बजाज फाइनेंस के शेयरों में भी गिरावट रही।

आज अदाणी ग्रुप की कंपनियों के शेयरों में इंट्रादे ट्रेड में उछाल आया। बाजार जानकारों के अनुसार उर्जा शेयरों से बाजार उछला। इसके अलावा रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा मोटर्स, आईसीआईसीआई बैंक जैसे शेयरों में तेजी ने भी बाजार को सहारा मिला।

अन्य बाजारों की बात करें तो वॉल स्ट्रीट पर टेक शेयरों में उछाल से एशिया-प्रशांत बाजारों में तेजी रही। एसएंडपी 500 और नैस्डैक लगातार दूसरे दिन बढ़त के साथ बंद हुए। सेमीकंडक्टर कंपनी एनवीडिया के शेयरों में बड़ा उछाल आया।

ताइवान सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग कंपनी (टीएसएमसी) के शेयर सोमवार को रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गए थे। इसका असर एशियाई बाजारों पर भी दिखा।

इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुले। सेंसेक्स 359.41 अंक चढ़कर 78,324.40 के लेवल पर खुला। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टीभी 134.40 अंकों की बढ़त के साथ 23,750.45 के स्तर पर खुला।

चीनी होगी महंगी, 11 रुपए बढ़ सकते हैं दाम

- किसानों को होगा फायदा पर आम आदमी की कटेगी जेब

नई दिल्ली ।

सरकार ने किसानों और चीनी संगठनों की मांग को ध्यान में रखते हुए एमएसपी में बढ़ोतरी करने पर विचार करने का ऐलान किया है। इन मांगों की वजह से जल्द ही मीठा खाना महंगा हो सकता है। चीनी का एमएसपी वर्ष 2019 के बाद से बना हुआ है और अभी 31 रुपये प्रति किलोग्राम है। इसमें कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है, जो कि खुदरा बाजार में भी इसके दामों में बढ़ोतरी का कारण बन रहा है। खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री ने इस मुद्दे पर कहा कि सरकार जल्द ही फैसला लेगी कि एमएसपी में क्या बढ़ोतरी की जाए। भारतीय चीनी और जैव-ऊर्जा निर्माता संघ और राष्ट्रीय सहकारी चीनी कारखाना महासंघ ने भी एमएसपी को बढ़ाने की मांग की है। एमएसपी का बढ़ना चीनी उत्पादन की लागत को दर्शाएगा और चीनी मिलों को आर्थिक मदद पहुंचाएगा। अगर एमएसपी बढ़ेगा तो इससे खुदरा बाजार में भी चीनी की कीमतों में वृद्धि हो सकती है। चीनी की महंगाई से मिठाइयों सहित खाने-पीने की वस्तुओं के दाम बढ़ सकते हैं। अगर चीनी का एमएसपी बढ़ाया जाता है तो इससे मिलों को आर्थिक मदद मिलेगी और किसानों का गन्ना बकाया भुगतान भी जल्दी होगा। फंड की कमी की वजह से अक्सर चीनी मिलों के पास गन्ना किसानों का हजारों करोड़ रुपये बकाया रह जाता है।

चीनी का एमएसपी बढ़ाने जाने का मतलब होगा कि इसे तय कीमत से कम दाम पर खरीदा नहीं जा सकेगा। जब चीनी का एमएसपी ही करीब 11 रुपये बढ़ जाएगा तो निश्चित रूप से खुदरा बाजार में भी चीनी की कीमत बढ़ेगी और इसका सीधा असर आम आदमी की जेब पर होगा। चीनी महंगी होने से मिठाइयों सहित खाने-पीने की ज्यादातर चीजों के दाम बढ़ सकते हैं।

वीहांत टेक्नोलॉजीज ने गैर-परिवर्तनीय ऋणपत्र से जुटाए 90 लाख डॉलर

अधिक अत्याधुनिक उत्पादों को विकसित करने में मिलेगी मदद

नई दिल्ली ।

कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित सुरक्षा तथा निगरानी समाधान प्रदाता वीहांत टेक्नोलॉजीज ने टू नॉर्थ के 'प्राइवेट क्रेडिट फंड' से गैर-परिवर्तनीय ऋणपत्र के जरिये वित्तपोषण के एक दौर में 90 लाख अमेरिकी डॉलर यानी करीब 77 करोड़ रुपये जुटाये हैं। कंपनी ने मंगलवार को बयान में कहा कि वीहांत ने अपनी वर्तमान पेशकशों को बढ़ाने तथा विमानन सुरक्षा, स्मार्ट शहरों और उद्यम विश्लेषण के लिए नवीन समाधान विकसित करने के लिए अनुसंधान व विकास गतिविधियों को बढ़ाने हेतु 75 प्रतिशत धनराशि खर्च करने की योजना बनाई है। वीहांत के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि टू नॉर्थ से जुटाई गई यह धनराशि हमें विमानन सुरक्षा, स्मार्ट और सुरक्षित शहरों और उद्यम विश्लेषण समाधानों के क्षेत्रों में और अधिक अत्याधुनिक उत्पादों को विकसित करने और उन्हें पेश करने में मदद करेगी। यह हमें पश्चिम एशिया तथा यूरोप में भौगोलिक विस्तार में भी मदद करेगा। उन्होंने कहा कि गैर-परिवर्तनीय ऋणपत्र (एनसीडी) के जरिये जुटाई गई राशि 2026 तक 12 से 18 महीनों के भीतर आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने और कंपनी को सूचीबद्ध कराने की तैयारियों के लिए महत्वपूर्ण होगी।

नए साल में कमाई के मामले में मस्क से भी आगे निकल गए कई रईस

फेसबुक की पेरेंट कंपनी मेटा प्लेटफॉर्म्स के मार्क जकरबर्ग पहले नंबर पर

वाशिंगटन ।

दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क की नेटवर्थ में पिछले साल 203 अरब डॉलर की तेजी आई थी। अब 437 अरब डॉलर की नेटवर्थ से साथ अब भी नंबर बने हुए हैं। लेकिन नए साल में कमाई के मामले में कई रईस उनसे आगे निकल गए हैं। मस्क की नेटवर्थ में इस साल अब तक 5.05 अरब डॉलर की तेजी आई है। इस साल अब तक सबसे ज्यादा कमाई करने के मामले में फेसबुक की पेरेंट कंपनी मेटा प्लेटफॉर्म्स के मार्क जकरबर्ग पहले नंबर पर हैं। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर इंडेक्स के मुताबिक जकरबर्ग की नेटवर्थ में 8.86 अरब डॉलर की तेजी आई।

इस साल उनकी नेटवर्थ 15.4 अरब डॉलर बढ़ी है। वह 223 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में तीसरे नंबर पर है। एनवीडिया के फाउंडर जेंसन हुआंग की नेटवर्थ इस साल 12.7 अरब डॉलर बढ़ी है जबकि चेंगपेंग झाओ की नेटवर्थ में 11.9 अरब डॉलर की तेजी आई है। ऐमजॉन के फाउंडर जेफ बेजोस की नेटवर्थ में इस साल 7.63 अरब डॉलर की तेजी आई है और वह 246 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर हैं।

लैरी पेज की नेटवर्थ में इस साल 5.98 अरब डॉलर और सर्गेई ब्रिन की नेटवर्थ में 5.58 अरब डॉलर की तेजी आई है। इसी तरह माइकल डेल की नेटवर्थ 4.54 अरब डॉलर बढ़ी है। भारतीय शेयर बाजार में सोमवार को भारी गिरावट के कारण मुकेश अंबानी और गौतम अडानी की नेटवर्थ में गिरावट आई। अंबानी की नेटवर्थ में 2.59 अरब डॉलर और अडानी की नेटवर्थ में 3.53 अरब डॉलर की गिरावट आई। अडानी इस साल 4.21 अरब डॉलर गंवा चुके हैं जबकि अंबानी ने 11.9 करोड़ डॉलर गंवाए।

महंगाई की वजह से कंपनियों ने किया पैकेट का आकार छोटा

- अब 10 रुपए का बिस्कुट पैकेट पहले से छोटा, लेकिन कीमत वही

नई दिल्ली ।

महंगाई को देखते हुए एफएमसीजी कंपनियों ने प्रोडक्ट के पैकेट का साइज कम कर दिया है। अब 10 रुपये का बिस्कुट पैकेट पहले से छोटा हो गया है, लेकिन कीमत वही रखी गई है। इस बदलाव के पीछे महंगाई और उपभोक्ता की बजट से बाहरी कीमतों का असर है। उच्च महंगाई ने स्नैक्स, साबुन और चाय जैसी चीजों की कीमतें बढ़ा दी है, जिसके कारण कंपनियां बजट से बाहर होने के दर से उपभोक्ता के लिए सस्ते पैकेट उपलब्ध करा रही हैं। विश्लेषकों ने कहा कि चालू तिमाही में कुछ कंपनियां कीमतों में और बढ़ोतरी कर सकती हैं। मैरिको के एक अे धिकारी ने हाल ही में कहा था कि वह प्रोडक्ट्स की कीमत में वृद्धि करने की प्रक्रिया में हैं। कमजोर शहरी मांग के कारण एफएमसीजी कंपनियों की वृद्धि धीमी रही है। वहीं अच्छे मानसून के कारण ग्रामीण बाजार बढ़ रहे हैं। हालांकि, सुधार धीरे-धीरे हो रहा है और अकेले शहरी मंदी की भरपाई नहीं कर सकता। उच्च कमोडिटी मुद्रास्फीति का मतलब है कि कंपनियों के पास खपत बढ़ाने के लिए कीमतें कम करने की कोई गुंजाइश नहीं है। एक

विश्लेषक ने कहा कि अगर उपभोक्ता 1 किलो चाय और मल्टी-पैक साबुन खरीदने की जगह 500 ग्राम चाय पैक और एक या दो साबुन खरीदने लगते हैं तो यह निश्चित रूप से कंपनियों की तिमाही वॉल्यूम वृद्धि को प्रभावित करेगा।

भारतीय रिजर्व बैंक ने ताबड़तोड़ सोना खरीदकर अपना भंडार बढ़ाया

आरबीआई ने पिछले साल 2024 में 73 टन सोना खरीदा

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सोने की खरीद ताबड़तोड़ बरकरार रखी है। आरबीआई ने पिछले साल 2024 में 73 टन सोना खरीदा है, जो चीन के खरीद से भी अधिक है। विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) के अनुसार दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों ने नवंबर, 2024 में अपने भंडार में कुल 53 टन सोना जोड़ा, जिसमें से आरबीआई का 8 टन सोना शामिल है। रिपोर्ट के अनुसार संभावित अनिश्चितताओं के माहौल में केंद्रीय बैंकों ने इस सुरक्षित संपत्ति का महत्व समझकर सोने के खरीदार बने रहे हैं। नवंबर में केंद्रीय बैंकों ने 53 टन सोना बढ़ाया। भारतीय रिजर्व बैंक ने इस महीने अपने भंडार में और 8 टन सोना जोड़कर इस वर्ष की खरीद की मात्रा 73 टन हो गई है। आरबीआई के साथ पोलैंड के केंद्रीय बैंक एनबीपी भी दूसरे स्थान पर है, जो नवंबर में 21 टन सोना खरीदकर अपने भंडार में जोड़ता गया है। प्रमुख अर्थव्यवस्थाएं पर ध्यान देने के साथ उभरते बाजारों के केंद्रीय बैंकों का उत्कृष्ट सोने की खरीद सतत कर रहा है, जो आर्थिक संसाधनों की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने में मदद कर सकता है। यह एक बड़ी चेतावनी है कि अर्थव्यवस्था में किसी भी आपात स्थिति में, सिर्फ सोना ही है जो संभाल सकता है।

200 मेगापिक्सल तक के कैमरा वाले फोन ऑफर कर रही सैमसंग

मुम्बई ।

जल्द ही आपको सैमसंग की गैलेक्सी डिवाइसेज में 500 मेगापिक्सल का कैमरा सेंसर देखने को मिल सकता है। कंपनी अभी 200 मेगापिक्सल तक के कैमरा वाले फोन ऑफर कर रही है। इसके साथ ही सैमसंग आईफोन 18 सीरीज के लिए भी थ्री-लेयर स्टैक्ड सेंसर डिवेलप कर रहा है।

यह जानकारी टिपस्टर ने एक एक्स पोस्ट में दी। माना जा रहा है कि कंपनी 500 मेगापिक्सल का कैमरा गैलेक्सी एस25 अल्ट्रा में ऑफर कर सकती है। अगर ऐसा होता है, तो सैमसंग स्मार्टफोन फोटोग्राफी में बाकी कंपनियों से काफी आगे निकल सकता है। अफवाह है कि गैलेक्सी एस25 अल्ट्रा में कंपनी जबर्दस्त इमेजि प्रोसेसिंग ऑफर करने वाली है, जो हाई-रेजॉलूशन सेंसर के आउटपुट को और बेहतर बनाएगा। कंपनी अपने डिवाइसेज के अलावा ऐपल के लिए थ्री-लेयर स्टैक्ड सेंसर बना रही है। रिपोर्ट के अनुसार इस सेंसर का पीडी-टीआर- लॉजिक कॉन्फिगरेशन मोजूदा आईफोन्स में ऑपर किए जा रहे सोनी के एक्समोर आरएस इमेज सेंसर की परफॉर्मेंस से काफी बेहतर होगा। आईफोन 18 सीरीज के डिवाइस पहले ऐपल स्मार्टफोन हो सकते हैं, जिनमें सैमसंग का सेंसर ऑफर किया जा सकता है।

इसमें 1/2.6 इंच की साइज वाला 48 मेगापिक्सल का सेंसर भी शामिल हो सकता है। अफवाहों के अनुसार आईफोन 18 सीरीज में कंपनी मेन कैमरा के लिए वैरिएबल अपर्चर टेक्नोलॉजी ऑफर कर सकती है। इसकी मदद से यूजर अलग-अलग लाइटिंग कंडीशन में अपर्चर को बेहतर परफॉर्मेंस के लिए अडस्ट कर सकेंगे। बताते चलें कि ऐपल अपनी आईफोन 18 सीरीज में नेक्स्ट जेनरेशन ए20 चिपसेट ऑफर कर सकता है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रोहित और कोहली का टेस्ट में भविष्य चयनकर्ताओं पर निर्भर: गावस्कर

सिडनी (एजेंसी)। भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने पिछले छह महीनों में टीम के खराब प्रदर्शन की गहन समीक्षा करने की वकालत करते हुए कहा कि विराट कोहली और रोहित शर्मा का टेस्ट क्रिकेट में भविष्य अब पूरी तरह से चयनकर्ताओं के हाथ में है।

गावस्कर ने एक साक्षात्कार में रोहित और कोहली के भविष्य को लेकर चल रही बहस के संदर्भ में कहा, ''वे कितने समय तक टीम में रहेंगे यह वास्तव में चयनकर्ताओं पर निर्भर है। अब जबकि भारत डब्ल्यूटीसी (विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप) फाइनल के लिए क्वालीफाई करने में विफल रहा है तो उन कारणों पर विचार करना उचित होगा कि ऐसा क्यों हुआ।'

डब्ल्यूटीसी की शुरुआत के बाद यह पहली बार है जबकि भारत इसके फाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहा। वह रविवार को समाप्त हुई बॉर्डर-गावस्कर श्रृंखला में ऑस्ट्रेलिया से 1-3 से हार के बाद फाइनल की दौड़ से बाहर हो गया। भारत को इस हार के कारण पिछले एक दशक में पहली बार बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी से हाथ धोना पड़ा। उसकी पराजय का मुख्य कारण बल्लेबाजों का खराब प्रदर्शन रहा। रोहित और कोहली भारतीय बल्लेबाजी की कमजोर कड़ी साबित हुए।

कोहली ने 9 पारियों में एक नाबाद शतक सहित 190 रन बनाए, जबकि रोहित ने पांच पारियों में केवल 31 रन बनाए। गावस्कर ने टीम के बल्लेबाजों की बार-बार विफलता की ओर इशारा करते हुए कहा, 'यह स्पष्ट है कि पिछले छह महीनों में हमारी बल्लेबाजी विफल रही और यही मुख्य कारण था कि हम उन मैच में भी हार गए जो हमें जीतने चाहिए थे।'

इस पूर्व भारतीय कप्तान ने कहा, 'इसलिए अगर इंग्लैंड में जून में शुरू होने वाले डब्ल्यूटीसी के नए चक्र के लिए टीम में बदलाव की जरूरत है तो उम्मीद है कि चयनकर्ता इस बात पर गौर करेंगे कि 2027 में फाइनल तक कौन खिलाड़ी टीम में रहेगा और उसके अनुसार चयन करेंगे।% गावस्कर ने किसी खिलाड़ी का नाम नहीं लिया लेकिन कहा कि घरेलू क्रिकेट में कुछ खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और अब उन्हें उचित मौका देने की जिम्मेदारी चयनकर्ताओं पर है। उन्होंने कहा, 'जब तक उन्हें मौका नहीं दिया जाएगा तो हमें कैसे पता चलेगा कि रणजी ट्रॉफी में अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करेंगे?'

गावस्कर ने नितीश कुमार रेड्डी जैसी प्रतिभा को सामने लाने के लिए चयन समिति की भी सराहना की। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत के जिन तीन बल्लेबाजों ने शतक लगाए उनमें रेड्डी भी शामिल थे। शतक लगाने वाले अन्य बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और कोहली थे। उन्होंने कहा, 'नितीश कुमार रेड्डी में क्षमता देखने और उसे टेस्ट टीम में चुनने के लिए अजीत अगरकर और उनकी टीम को बधाई।'

गावस्कर ने गेंदबाजी के बारे में कहा कि भारत के पास पर्याप्त प्रतिभा है, जिसे अपेक्षित अवसर दिए जाने की जरूरत है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि जसप्रीत बुमराह जैसे स्टार खिलाड़ी पर जरूरत से ज्यादा बोझ न पड़े। उन्होंने कहा, 'भारत के पास कई होनहार तेज गेंदबाज हैं जो मौके का इंतजार कर रहे हैं। बुमराह पर ज्यादा बोझ नहीं डाला जाना चाहिए और अगर अन्य गेंदबाज भी अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं तो हमारे पास एक ऐसा आक्रमण हो सकता है जो किसी भी परिस्थिति में मैच जीत सकता है।'

भारतीय क्रिकेट में स्टार खिलाड़ियों को सिर पर बिठाए रखने की संस्कृति रही है जिसे समय-समय पर बड़ी समस्या माना जाता है लेकिन गावस्कर ने कहा कि किसी भी खिलाड़ी के लिए अपने पांव जमीन पर बनाए रखना मुश्किल काम नहीं है। उन्होंने कहा, 'हम हर दिन दर्पण में अपना चेहरा देखते हैं और चूंकि हम अपने साथ ऐसा करते हैं, इसलिए हम वर्षों में आए बदलावों पर ध्यान नहीं देते हैं। केवल जब हम पहले के दिनों की तस्वीरें या वीडियो देखते हैं तब हमें बदलाव के बारे में पता चलता है। इसके बाद हम सबसे अच्छा दिखने के लिए जरूरी बदलाव करने पर ध्यान देते हैं लेकिन ऐसा करने के लिए पूरी तरह से ईमानदार होना जरूरी है।'

छह साल के तैराक रेयांश ने बनाया विश्व रिकार्ड, समुद्र में 15 किलोमीटर की दूरी तय की

ठाणे (एजेंसी)। मुम्बई के ठाणे में रहने वाले छह साल के रेयांश खामकर ने समुद्र में समुद्र में 15 किलोमीटर तैरकर नया विश्व रिकार्ड अपने नाम किया है। रेयांश ने विजयदुर्ग में मालपे जेट्टी से वाघोटन जेट्टी तक की 15 किलोमीटर की दूरी तीन घंटे में पूरी की। इस नन्हे से तैराक की इस उपलब्धि को इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में भी शामिल कयिा गया है। रेयांश के कोच स्टारफिश स्पोर्ट्स फाउंडेशन के कैलाश अखाड़े हैं। रेयांश ने अपने पहले प्रयास में ही यह दूरी तय कर ली। महाराष्ट्र के सांस्कृतिक मामलों और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री ए. आशीष शेलार, ठाणे जिला एमेच्योर तैराकी संघ के अध्यक्ष निरंजन डावखरे और महाराष्ट्र राज्य एमेच्योर तैराकी संघ के उपाध्यक्ष राजेश मोरे ने इस रेयांया की प्रशंसा करते हुए उनके उज्जव भविष्य की उम्मीद जतायी है।

अब 2027 में होने वाले वाला डब्ल्यूटीसी फाइनल रहेगा भारतीय टीम का लक्ष्य

-इंग्लैंड और न्यूजीलैंड में सीरीज रहेंगी अहम

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2025 से बाहर हो गयी है। ऐसे में अब उसका लक्ष्य 2027 में होने वाले डब्ल्यूटीसी फाइनल पर ध्यान देना रहेगा। आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 सत्र की शुरुआत इसी साल जून में होगी। भारतीय टीम को इसके तहत सबसे पहले जून में इंग्लैंड से टेस्ट सीरीज खेलनी है। दोनो ही टीमों के बीच 20 जून से पहला टेस्ट लीड्स में खेला जाएगा। इंग्लैंड से वापसी के बाद भारतीय क्रिकेट टीम इस साल दो घरेलू टेस्ट सीरीज वेस्टइंडीज और श्रीलंका से खेलेगी। भारतीय टीम को डब्ल्यूटीसी के साल 2025-27 सत्र के तहत इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और श्रीलंका के दौरे पर जाना है। इसमें से इंग्लैंड और न्यूजीलैंड में भारत का रिकॉर्ड अच्छा नहीं रहा है। इसलिए उसे डब्ल्यूटीसी 2025-27 के फाइनल में पहुंचने इंग्लैंड और न्यूजीलैंड में सीरीज जीतनी या ड्रॉ करनी होगी। वहीं अगर वह हारी तो बाहर हो जाएगी। डब्ल्यूटीसी 2025-27 के फाइनल में पहुंचने के लिए किसी भी टीम को तकरीबन 60 फीसदी मैच जीतने होंगे।भारतीय टीम को विश्वप टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 के कार्यक्रम में 6 सीरीज खेलनी हैं। जिसमें कुल 18 मैच खेले जाएंगे। भारतीय टीम को इनमें से 9 मैच अपनी धरती पर जबकि 9 विदेशी धरती पर खेलने हैं। भारतीय टीम इन 18 मैचों में से 10 मैच इंग्लैंड और 8 मैच ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलेगी। ऑस्ट्रेलिया की टीम 2026-27 में भारत का दौरा करेगी।

दक्षिण अफ्रीका ने दो टेस्ट मैचों की सीरीज में पाकिस्तान का किया सूपड़ा साफ

केपटाउन (एजेंसी)। कगिसो रबाड़ा, केशव महाराज (तीन-तीन विकेट) और मार्को यानसन (दो विकेट) के बाद डेविड बेडिंघम (नाबाद 44) रनों की शानदार पारी की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने आज दूसरे टेस्ट मैच के चौथे दिन पाकिस्तान को 10 विकेट से हरा दिया है। इसी के साथ दक्षिण अफ्रीका दो मैचों की श्रृंखला में पाकिस्तान का सूपड़ा साफ कर दिया है।

दक्षिण अफ्रीका ने पाकिस्तान को दूसरी पारी में 478 के स्कोर पर समेटने के बाद मिले 58 रनों के लक्ष्य को बिना कोई विकेट खोए 7.1 ओवर में हासिल कर लिया। दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की डेविड बेडिंघम और एडन मारक्रम की सलामी जोड़ी शानदार बल्लेबाजी का मुजाहिरा करते हुए तेजी के साथ रन बटोरे। डेविड बेडिंघम ने 30 गेंदों में चार चौके और दो छक्के लगाते हुये (नाबाद44) रन बनाये। वहीं एडन मारक्रम 13 गेंदों में (14) रन बनाकर नाबाद रहे। दक्षिण अफ्रीका ने दूसरी पारी में 61 रन बनाकर मुकाबला 10 विकेट से जीता। इसी के साथ दक्षिण अफ्रीका ने दो मैचों की सीरीज 2-0 से अपने नाम कर ली। दूसरे टेस्ट में 259 रनों की शानदार पारी खेलने वाले दक्षिण अफ्रीका के रायन रिकलटन को 'प्लेयर ऑफ द मैच' और सीरीज में 80 रन देकर 10 विकेट लेने वाले मार्को यानसन को 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' से नवाजा गया। आज यहां पाकिस्तान ने कल के एक विकेट पर 213 रनों से आगे खेलना शुरु किया। मार्को यानसन ने खुर्रम शहजाद (18) को आउट कर पाकिस्तान को दूसरा झटका दिया।इसके बाद तो पाकिस्तान बल्लेबाजी लगातार अंतराल अपने विकेट गवांते चले गये। कामरान गुलाम (28), सऊद शकील (23), कप्तान शान मसूद (145) आगा सलमान (48) और मोहम्मद रिजवान (41), आमेर जमाल (34) तथा मीर हमजा (16) रन बनाकर आउट हुये। पाकिस्तान की पूरी टीम 122.1 ओवर में 478 के स्कोर पर सिमट गई। दक्षिण अफ्रीका को जीत के लिए 58 रन बनाने का लक्ष्य मिला है। दक्षिण अफ्रीका के लिए कगिसो रबाड़ा, केशव महाराज ने तीन-तीन विकेट लिये और मार्को यानसन को दो विकेट मिले। वेना मफाका ने एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले मैच के तीसरे दिन दक्षिण अफ्रीका ने पाकिस्तान को पहली पारी में 194 के स्कोर पर सिमटने के बाद फॉलोऑन खेलने के लिए मजबूर किया था। दक्षिण अफ्रीका ने पहली पारी में रायन रिकलटन (259), तेम्बा बवूमा (106) और काइल वेरेन (100) रनों के महत्वपूर्ण योगदान से 615 रनों का स्कोर खड़ा किया था।

मंधाना की कप्तानी में आयरलैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में उतरेगी भारतीय महिला क्रिकेट टीम

मुम्बई । स्मृति मंधाना की कप्तानी में भारतीय महिला क्रिकेट टीम आयरलैंड के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में उतरेगी । वहीं कप्तान हरमनप्रीत कौर को इस सीरीज के लिए आराम दिया गया है । आयरलैंड के खिलाफ तीन मैचों की यह सीरीज 10 जनवरी से शुरू होगी और इसके सभी मैच राजकोट में खेले जायेंगे । हरमनप्रीत के अलावा तेज गेंदबाज रेनुका को भी आराम दिया गया है । रेणुका ने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों में 10 विकेट लिए थे । वह पीठ के स्ट्रेस फैक्चर से उबर रही हैं । भारतीय महिला टीम ने पिछले माह ही वेस्टइंडीज को टी20 सीरीज में 2-1 जबकि एकदिवसीय सीरीज में 3-0 से हराया था । इससे टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है और वह आयरलैंड के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी ।

आयरलैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए भारतीय टीम इस प्रकार है : स्मृति मंधाना (कप्तान), दीप्ति शर्मा (उपकप्तान), प्रतिका रावल, हरलीन देयोल, जेमिमा रोड्रिग्स, उमा छेत्री (विकेटकीपर), ऋचा घोष (विकेटकीपर), तेजल हसबनिस, राघवी बिस्ट, मिन्नू मणि, प्रिया मिश्रा, तनुजा कंवर, टिटास साधु , साइमा ठाकोर, सयाली सतघरे ।

अपने सफल डेब्यू से उत्साहित है वेबस्टर

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया के युवा ऑलरांउड ब्यू वेबस्टर अपने शानदार डेब्यू को लेकर उत्साहित हैं । वेबस्टर ने भारतीय टीम के खिलाफ सिडनी टेस्ट में अपने पहले ही मैच में 57 और नाबाद 37 रन बनाए थे । इसके अलावा उन्होंने गेंदबाजी करते हुए शुभमन गिल का विकेट भी लिया था । वेबस्टर ने कहा, 'मेरे पास इस सफलता के लिए शब्द नहीं हैं । मुझे इस प्रकार के डेब्यू की उम्मीद नहीं थी । यह सपने जैसा पदार्पण मैच था । तीन दिन के भीतर जीतकर बहुत अच्छा लग रहा है । मुझे भरोसा है कि सभी इसका जश्न मना रहे होंगे । वेबस्टर ने अंतिम टेस्ट में वॉशिंगटन सुंदर पर चौका लगाकर ऑस्ट्रेलिया को जीत दिलायी थी और उन्होंने कहा कि इस पल को वह कभी नहीं भूलेंगे । इस खिलाड़ी ने कहा, 'उस समय हमें चार रन ही चाहिए थे और मैने जब चौका लगाया तो मुझे लगा कि आपको अपने देश के लिये चौका लगाकर विजयी रन बनाने के कितने मौके मिलते हैं । उन्होंने कहा, 'मैने तय कर लिया था कि चौका लगाऊंगा और लगा भी सका । यह शानदार पल था जिसे मैं कभी नहीं भुला सकूंगा । शायद ऐसा कभी दोबारा नहीं होगा । निर्णायक टेस्ट में चौका लगाकर जीत तक पहुंचना । इससे बेहतर क्या हो सकता है । गौरतलब है कि वेबस्टर को खराब फॉर्म से जूझ रहे मिचेल मार्श की जगह आखिरी टेस्ट के लिए टीम में जगह मिली थी ।

भारत इस साल करेगा भाला फेंक प्रतियोगिता की मेजबानी, नीरज चोपड़ा सहित कई स्टार खिलाड़ी लेंगे हिस्सा

चंडीगढ़ (एजेंसी)। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने मंगलवार को बताया कि भारत संभवतः इस साल सितंबर में भाला फेंक की शीर्ष प्रतियोगिता की मेजबानी करेगा जिसमें ओलंपिक स्वर्ण और रजत पदक विजेता नीरज चोपड़ा सहित कई स्टार खिलाड़ी भाग लेंगे।

यह आयोजन उन कई प्रतियोगिताओं के अतिरिक्त है जिनकी मेजबानी के लिए भारत ने अपनी रुचि व्यक्त की है। इसमें 2029 में होने वाली विश्व चैंपियनशिप भी शामिल है। एएफआई के निवर्तमान अध्यक्ष आदिल सुमरिवाला ने पुष्टि की कि भारत ने 2029 विश्व चैंपियनशिप और 2027 में होने वाली विश्व रिले प्रतियोगिता की मेजबानी के लिए रुचि व्यक्त की है। एएफआई पिछले साल नवंबर में विश्व एथलेटिक्स के अध्यक्ष सेबेस्टियन को की भारत यात्रा के दौरान पहले ही 2028 विश्व जूनियर चैंपियनशिप की मेजबानी के लिए अपनी रुचि व्यक्त कर चुका है।

पिछले 12 साल से एएफआई के अध्यक्ष रहे सुमरिवाला ने इस खेल महासंघ की वार्षिक आम बैठक के पहले दिन कहा, 'भारत इस साल के आखिर में भाला फेंक की एक शीर्ष प्रतियोगिता की मेजबानी करेगा जिसमें दुनिया के चोटी के 10 खिलाड़ी भाग लेंगे।% उन्होंने कहा, 'नीरज चोपड़ा वहां होंगे। वह उस टीम का हिस्सा हैं जो इस प्रतियोगिता का आयोजन करेगी। जेएसडब्ल्यू, एक विदेशी फर्म और एएफआई मिलकर इस प्रतियोगिता की तैयारी कर रहे हैं।' सुमरिवाला ने बाद में पीटीआई को बताया कि यह प्रतियोगिता सितंबर में आयोजित की जा सकती है।

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए तेज गेंदबाजों के चयन को लेकर संशय में बीसीसीआई

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयनसमिति के लिए अगले माह होने वाली आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम चयन आसान नहीं होगा । चयनकर्ताओं के लिए सबसे ज्यादा परेशानी तेज गेंदबाजों के चयन की रहेगी । इसका कारण है कि मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पीठ की एंठन से पीड़ित हैं जबकि एक साल से टीम से बाहर चल रहे अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की फिटनेस को लेकर भी संशय बना हुआ है। टीम के पास काफी बल्लेबाज और ऑलराउंडर हैं वह स्पिन ऑलराउंडर के तौर पर रवींद्र जडेजा, वॉशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल हैं । तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर के लिए हार्दिक पंड्या, नीतीश रेड्डी और शिवम दुबे जैसे बल्लेबाज हैं । अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली फार्म से बाहर चल रहे हैं पर इनका चयन पक्का है । रोहित और शुभमन गिल पारी की शुरुआत करते हुए दिख सकते हैं। वहीं तीसरे नंबर पर विराट कोहली और चौथे नंबर पर ऋषभ पंत उतरेंगे । वहीं पांचवें नंबर के लिए टीम के पास केएल राहुल, श्रेयस अय्यर जैसे खिलाड़ी हैं। छठे से 11वें नंबर तक ऑलराउंडर और गेंदबाज उतरेंगे । ऑलराउंडर के लिए भारतीय टीम के पास रवींद्र जडेजा, वॉशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव जैसे खिलाड़ी हैं। तेज गेंदबाजी आक्रमण की कमान फिट होने पर जसप्रीत बुमराह संभालेंगे। इसके अलावा मोहम्मद शमी और अर्शदीप सिंह को भी अवसर मिल सकता है । बुमराह पीठ में एंठन से परेशान हैं और इससे वह कब तक उबर जाएंगे ये अभी पक्के तौर पर नहीं कहा जा सकता है । वहीं मोहम्मद शमी भी फिटनेस हासिल करने के लिए घरेलू क्रिकेट खेल रहे हैं पर वह भी अभी तक पूरी तरह से फिट नहीं हुए हैं । ऐसे में अगर बुमराह और शमी फिट नहीं होते तो तेज गेंदबाजी आक्रमण की कमान अर्शदीप सिंह और मोहम्मद सिराज करेंगे जबकि तीसरे तेज गेंदबाज के लिए हर्षित राणा, प्रसिद्ध कृष्णा, मुकेश कुमार, में से किसी एक को ये अवसर मिल सकता है ।

सर्जरी के बाद इतनी सफल वापसी की उम्मीदें नहीं थी : राशिद

बुलावेयो । अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद खान ने जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे और अंतिम टेस्ट में मिली 72 रनों की जीत पर खुशी जतायी है । राशिद ने इस सीरीज में बेहतर प्रदर्शन करते हुए पहली पारी में 94 रन देकर चार और दूसरी पारी में 66 रन देकर सात विकेट लिए थे । राशि ने कहा कि उन्हें सर्जरी के बाद इस प्रकार की वापसी की उम्मीद नहीं थी । उन्होंने कहा, तीन साल बाद टेस्ट क्रिकेट में पीठ की सर्जरी से वापसी करते हुए खेलना मुश्किल था । जीत को लेकर उन्होंने कहा कि यह एक टीम का प्रयास है, जिस तरह से विरोधी टीम बल्लेबाजी में विफल रही उससे हम खेल में बढ़त हासिल करने में सफल रहे । राशिद ने रहमत शाह और युवा इज़मतुल्लाह के अच्छे प्रदर्शन के लिए प्रशंसा की है । साथ ही कहा कि इन्होंने कठिन हालातों में अफगानिस्तान की दूसरी पारी को संभाला । उन्होंने कहा, जब टीम प्रयास करती है, तो आपके पास जीतने के अधिक अवसर होते हैं । जिस तरह से रहमत और इजमत ने बल्लेबाजी की, वह आसान नहीं था, खासकर इजमत के लिए जो डेब्यू पर पहली पारी में रन नहीं बना पाया था । इसके बाद जिस तरह से उसने दूसरी पारी में बल्लेबाजी की वह काफी शानदार था । दोनों की साझेदारी ने अफगानिस्तान की पारी को उबारा जिससे राशिद को मैच बचाने का अवसर मिला पाया ।

भारतीय टीम के नये कप्तान का फैसला बीसीसीआई के लिए आसान नहीं

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा जिस प्रकार से खराब फार्म से गुजर रहे हैं । उससे जून में इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज में उनका खेलना तय नहीं है । उनकी उम्र भी करीब 38 साल हो रही है और ऐसे में भारतीय टीम जून में इंग्लैंड के खिलाफ नये कप्तान के साथ उतर सकती है । भारतीय टीम को अब डब्लयूटीसी 2025-27 की तैयारी में लगना होगा और इसके लिए भारतीय बोर्ड (बीसीसीआई) को नये कप्तान पर फैसला करना होगा हालांकि ये इतना आसान नहीं होगा । भारतीय टीम एक दशक में पहली बार ऐसी स्थिति में है, जब उसे नया कप्तान चाहिए और उसके लिए उसके पास तीन विकल्प हैं । जिसमें पहला नाम जसप्रीत बुमराह का है । बमराह की कप्तानी में भारतीय टीम ने पर्थ टेस्ट जीताथा । उनके नाम पर सभी तैयार रहेंगे पर टीम प्रबंधन कार्यभार प्रबंधन के तहत उन्हें यह जिम्मेदारी से नहीं देना चाहेगा। बुमराह काम का बोझ बढ़ने के कारण दबाव में रहते हैं । पीठ में दर्द के कारण वह सिडनी टेस्ट में पूरे समय नहीं खेल पाये थे। इससे पहले भारतीय टीम मैनेजमेंट ने ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या को भी फिटनेस के ही मामले को लेकर टी20 टीम की कप्तानी नहीं दी थी । इसका कारण है कि कि वे हर मैच में उपलब्ध नहीं रहते हैं । इसी आधार पर अच्छे रिकॉर्ड और अनुभवी के बावजूद हार्दिक पंड्या की जगह सूर्यकुमार यादव को कप्तान बना दिया गया । ऐसे में बुमराह को भी टेस्ट टीम का नियमित कप्तान बनाए जाने की संभावना कम ही है । उन्हें कुछ वक्त के लिए यह जिम्मेदारी जरूर दी जा सकती है । अगर बुमराह को कप्तान नहीं बनाया जाता तो केएल राहुल और ऋषभ पंत कप्तानी की दौड़ में शामिल हो जाते हैं । इनमें केएल राहुल की अंतिम ग्यारह में जगह पक्की नहीं रहती है जो उनका कमजोर पक्ष है । तीसरा नाम ऋषभ पंत है परन गावस्कर ने मेलबर्न टेस्ट में लापरवाह बल्लेबाजी के लिए जिस प्रकार उन्हें फटकारा उससे लगता है कि उन्हें अपने खेल में और गंभीरता लाने की जरूरत है । प्रेस रोहित शर्मा ने भी कहा था कि उन्हें समझने की जरूरत है कि किस वक्त में कैसा खेलना है ।

शुभमन अगर तमिलनाडु से होता तो टीम इंडिया से बाहर होता

स्पोर्ट्स डेस्क । ऑस्ट्रेलिया में 2024-25 बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद युवा बल्लेबाज शुभमन गिल चौतरफा आलोचनाओं का सामना कर रहे हैं। गिल ऑस्ट्रेलिया में पांच पारियों में केवल 93 रन ही बना सके जिससे फैंस के साथ ही क्रिकेट विशेषज्ञ निराश हो गए। इसी बीच पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुब्रमण्यम बद्रीनाथ ने बयान दिया है कि अगर गिल तमिलनाडु से होते, तो टेस्ट क्रिकेट में इतने खराब प्रदर्शन के बाद उन्हें भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर कर दिया गया होता। बद्रीनाथ ने कहा कि मेरे लिए यह देखना बहुत मुश्किल है। उस स्तर पर उनसे जो उम्मीदें थीं उसमें वह खरा नहीं उतर पाए। आप रन बना सकते हैं, आप नहीं बना सकते, लेकिन इरादा और आक्रामकता होनी चाहिए। चाहता था कि वह गेंदबाजों को थका दे।

उन्होंने आगे कहा कि मैं चाहता हूं कि आप गेंद को पुराना बनाएं। अपने साथियों की मदद करें और रन न बनने पर भी डटे रहें। 100 गेंदें खेलें, गेंदबाजों को थकाएं। आपकी टीम का योगदान यही है (होना चाहिए)। लबुछेन और मैकस्वीनी ने ऐसा किया कुछ गेमों में बहुत सारी डॉट गेंदें खेलकर उन्होंने वास्तव में बुमराह को थका दिया। बद्रीनाथ ने यह भी आरोप लगाया कि अगर शुभमन गिल तमिलनाडु से होते तो उन्हें हटा दिया गया होता। उन्होंने कहा कि अगर शुभमन गिल तमिलनाडु से होता तो उसे हटा दिया गया होता।

आलोचनाओं के साथ-साथ शुभमन गिल की फील्डिंग भी सुर्खियों में आ गई है। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुब्रमण्यम बद्रीनाथ ने मैदान में गिल के प्रदर्शन की आलोचना की और दावा किया कि वह स्लिप में भी अविश्वसनीय हैं और टीम में उनके समग्र योगदान पर सवाल उठा रहे हैं। बद्रीनाथ ने बताया कि गिल न केवल बल्ले से संघर्ष करते दिखे बल्कि 2024-25 बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान अपने क्षेत्ररक्षण कर्तव्यों को पूरा करने में भी असफल रहे। बद्रीनाथ ने यह कहते हुए अपनी बात समाप्त की कि आपको वहां जाकर यह नहीं कहना चाहिए, %ओह, मैं ऐसे ही खेलता हूं। मैं खड़ा रहूंगा और प्रदर्शन करूंगा। चार लोग इसके बारे में लिखेंगे। उस समय आप जो भी कर सकते हैं, आप कोशिश करें और इस श्रृंखला में, मुझे यह शुभमन से नहीं मिला। मैदान पर भी उनका खराब प्रदर्शन रहा। वह टीम के लिए क्या योगदान दे रहे हैं?

बेहतर करियर चाहिए तो इन बातों का रखें ध्यान, कामयाबी कदम चूमेगी!

एक अच्छा करियर ऑप्शन बेहतर भविष्य की सीढ़ी की तरह होता है. अच्छे परफॉर्मेंस की रेस और बोर्ड परीक्षा में स्कोर करने के लिए एक छात्र को कितनी मेहनत करनी पड़ती है, इसका फल तभी मिलेगा जब वह सही करियर का रास्ता चुने, लेकिन इसे कैसे किया जाए, यह एक बड़ा सवाल बन जाता है. आइए आज हम आपको ऐसे जरूरी टिप्स के बारे में बता रहे हैं जो 12वीं क्लास पास करने के बाद एक बेहतर करियर विकल्प चुनने में आपकी मदद कर सकते हैं.

सोचकर रिसर्च करें

12वीं क्लास के बाद अपना करियर चुनने से पहले अपनी रूचि पर ध्यान दें. अब जब आपकी बोर्ड परीक्षा खत्म हो चुकी है, तो उस विशेष विषय के बारे में सोचें जो आपको सबसे ज्यादा पसंद हो. आप साइंस स्ट्रीम, कॉमर्स या ह्यूमैनिटीज में हो सकते हैं लेकिन एक ऐसा विषय होना चाहिए जिसे आप खुद से पढ़ते हों, उस एक विषय को ढूंढते हैं और जानकारी जुटाते हों. सबसे पहले उस विषय के बारे में सोचें और तब भविष्य में उस ऑप्शन के स्कोप पर विचार करें और रिसर्च करें.

सलाह भी जरूरी है

अगर आप किसी खास विषय में करियर बनाने का मन बना रहे हैं. उस विषय में आगे बढ़ने से पहले अपने माता-पिता, दोस्तों, आस-पड़ोस के शिक्षित लोगों और अपने टीचर से बात करें. उनकी सलाह ले सकते हैं. जो भी डाउट्स हैं उन्हें क्लियर करें और तब करियर का चुनाव करें.

कोर्स से जॉब तक के लिए मार्केट रिसर्च करें

करियर का चुनाव करने से पहले मार्केट रिसर्च अच्छा ऑप्शन है. आप जिस फील्ड में करियर बनाना चाहते हैं, उसके बारे में पूरी जानकारी ले लें जैसे उसकी पढ़ाई कहां-कहां से हो सकती है, कहां कितनी फीस ली जा रही है, उस कोर्स के बाद क्या और कहां जॉब ऑप्शन्स है, फ्यूचर में इसका कितना स्कोप है आदि.

भेड़ चाल से बचें

अकसर छात्र दोस्तों या परिवार के किसी सदस्य से इन्फ्लुएंस होकर भेड़ चाल यानी दोस्तों के पीछे-पीछे बेहतर करियर की तलाश में निकल पड़ते हैं. कई बार ये आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकता है लेकिन इससे अच्छा है कि आप खुद पर विश्ववास रखें और अपनी योग्यता, क्षमता, रूचि और ज्ञान के आधार पर सही करियर का चुनाव करें.

पसंद-नापसंद की लिस्ट बनाएं

उन चीजों की लिस्ट बनाएं जिन्हें आप पसंद और नापसंद करते हैं. उदाहरण- आपको कौन से विषय सबसे ज्यादा पसंद हैं, क्या आप आर्ट्स में रुचि रखते हैं, क्या आप साहसी हैं, क्या आप कंप्यूटर और प्रोग्रामिंग आदि में रुचि रखते हैं. अपनी पसंद और नापसंद के आधार पर अपने लिए सही करियर चुनें.

शॉर्ट-टर्म कोर्स कर सकते हैं

अगर आप किसी विषय में परफेक्ट हैं और उसी से संबंधित फील्ड में करियर बनाना चाहते हैं तो शॉर्ट टर्म कोर्स भी अच्छा ऑप्शन है. इन दिनों कई टॉप कॉलेज छात्रों के लिए शॉर्ट टर्म कोर्स में एडमिशन देते हैं. आपको सिर्फ थोड़ा सर्च करने की जरूरत है.

नौकरी चाहिए तो ऐसे बनाएं सोशल मीडिया प्रोफाइल

आजकल नौकरी पाने के लिए सिर्फ आपका ज्ञान और स्किल्स ही काफी नहीं है, सोशल मीडिया पर आपकी पोस्ट भी इसमें अहम भूमिका निभा सकती है। आपने अपने फेसबुक पर क्या लिखा या ट्विटर पर कैसे ट्वीट किए या आपकी लिंक्डइन प्रोफाइल आपके बारे में क्या कहती है। आप सोशल मीडिया पर कैसे लोगों के संपर्क में हैं, लोग आपके बारे में क्या सोचते हैं, अब कंपनियां ये सब भी नौकरी देने से पहले देख रही हैं। आज सोशल मीडिया के जरिए किसी भी व्यक्ति के व्यक्तित्व और उसके नजरिये के बारे में पता लगाना बहुत आसान हो गया है। यही वजह है कि मल्टीनेशनल और स्टार्टअप कंपनियां नौकरी पर रखने से पहले आवेदक के प्रोफाइल को परखती हैं। इससे उन्हें अंदाजा लग जाता है कि आवेदक उनकी कंपनी में फिट बैठता है या नहीं।

सोशल मीडिया पर सकारात्मक छवि होना जरूरी

इन सोशल मीडिया प्रोफाइल से कंपनियों को आवेदकों की रूचि, उसकी प्राथमिकताएं और विश्वसनीयता के बारे में पता चलता है, जिस आधार पर उनके लिए आवेदकों को शॉर्टलिस्ट करना आसान होता है। इसलिए अगर आप चाहते हैं कि आपको बेहतर नौकरी मिले, तो ज्ञान के साथ-साथ सोशल मीडिया पर आपकी सकारात्मक छवि भी होनी चाहिए। करीब 30 फीसदी कंपनियां आवेदकों की सोशल मीडिया प्रोफाइल पर यह देखती हैं कि अन्य लोग आवेदकों के बारे में क्या राय रखते हैं। सोशल मीडिया पर किए गए एक सर्वे में शामिल 60 फीसदी नियोक्ताओं ने उम्मीदवारों की ऑनलाइन मौजूदगी को परखने के बाद उन्हें खारिज कर दिया। इसका बड़ा कारण था उम्मीदवार के ऑनलाइन प्रोफाइल और रेज्यूमे में दी गई शैक्षिक योग्यता में अंतर। आवेदक के खारिज होने का बड़ा कारण था, पिछली कंपनी या अपने स्कूल-कॉलेज को बुरा बताने वाले पोस्ट डालना। इसके अलावा यह ध्यान रखें कि आप जिस कंपनी में काम करने जा रहे हैं, उसके बारे में कहीं भी बुरा न कह रहे हैं।

सोच-समझकर सोशल मीडिया पर करें पोस्ट

वैसे तो सोशल मीडिया साइटों पर आम तौर पर लोग अपनी फोटो और अपने अनुभव शेयर करते है। लेकिन, सोशल मीडिया पर ऐसी फोटो कभी शेयर ना करें जिसके कारण आपकी नकारात्मक छवि प्रस्तुत हो। आप सोशल साइट पर आपकी हॉबी या पसंदीदा चीजों से जुड़ी फोटो शेयर कर सकते हैं। इसके अलावा इस बात पर भी ध्यान दे रहें कि कोई व्यक्ति किसी अश्लील तस्वीर या पोस्ट से आपको टैग तो नहीं कर रहा। इससे आपकी संगत और माहौल का अंदाजा लगाया जाएगा।

सोशल साइटों पर प्रोफेशनल दिखें

फेसबुक और लिंक्डइन पर आमतौर व्यक्ति की पहचान उसका फोटो देखकर ही की जाती हैं तो आप इसमें वही फोटो डाले जिसमें आप फार्मल लुक में हो। आपकी फुल शॉट तस्वीर से अच्छा है हेड शॉट वाली तस्वीर डालें, वो भी मुस्कराते हुए। आप प्रोफेशनली कैसे दिख रहे हैं, यह पता करने के लिए आप फोटोफीलर नाम की एक साइट पर अपनी फोटो अपलोड करें। इससे फोटो में आप आत्मविश्वासी और प्रभावशाली व्यक्ति के रूप में नजर आ रहे है या नहीं, यह पता लग जाएगा।

इंटरनेट पर आप किस तरह से हो रहे प्रस्तुत

नौकरी के लिए आवेदन देने की प्रक्रिया के दौरान या उससे पहले एक बार आप अपने नाम को गूगल पर सर्च करके देखे कि गूगल आपके नाम के बारे में क्या दिखाता है। नियोक्ता की नजर से आपकी अपने बारे में क्या राय बन रही है और संबंधित नौकरी के लिए आप खुद को हायर करेंगे या नहीं, इन सवालों का जवाब ढूंढें। जवाब 'न' में हो तो कारणों की सूची बनाएं। हो सकता है आपके पोस्ट गलत विचारधारा को प्रकट कर रहे हों या आपके दोस्त आपकी वॉल पर अनुचित तस्वीरें या अनुचित कमेंट डाल रहे हों। इसके लिए अपनी सेटिंग बदलें और दोस्तों से कहें कि वे ऐसी पोस्ट न डालें। नियोक्ता को आपकी प्रोफाइल कैसी दिख रही है, इसके लिए अपने फेसबुक पेज के ऊ पर दाएं कोने पर जाएं और प्रिव्यू माई प्रोफाइल पर जाकर देखें। आप चाहें तो अपने मुताबिक सेटिंग को एडिट भी कर सकते हैं। वैसे तो अधिकतर नियोक्ता उम्मीदवार को परखने के लिए उनके लिंक्डइन प्रोफाइल पर जाते हैं, पर कई बार क्षेत्र के हिसाब से भी दूसरी साइट पर आपकी मौजूदगी को भी परखते हैं। जैसे, अगर कोई डिजाइनर है तो उसकी पिन्ट्रेस्ट या टम्बलर प्रोफाइल को परखा जाता है, अगर कोई व्यक्ति मॉडल है तो उसके इंस्टाग्राम को परखा जाता है, वहीं निजी पृष्ठभूमि को जानने के लिए कंपनी फेसबुक प्रोफाइल को देखना पसंद करती है।

ऐसा होना चाहिए लिंक्डइन प्रोफाइल

लिंक्डइन अपने करियर क्षेत्र और पेशे से जुड़े पेशेवर लोगों से नेटवर्क बनाने का अच्छा जरिया है। अपने करियर क्षेत्र से संबंधित ग्रुप जॉइन करें। लिंक्डइन के मानदंडों के हिसाब से चलें। यदि आप चाहते हैं कि नियोक्ता, बॉस, या सहकर्मी आपके निजी ब्लॉग या पोस्ट को न देख पाएं तो इसके लिए सेटिंग पर जा कर लिंक्डइन प्रोफाइल में 'फीड' के सिंक ऑप्शन को अनचेक कर दें। लिंक्डइन पर डाले गए रेज्यूमे को बहुत से लोग देखते हैं। इसलिए जो सच है, वही लिखें। हाल की फोटो डालें। फॉर्मल ड्रेस में हेड शॉट डालें। अपने लिंक्डइन यूआरएल को छोटा रखें, जिससे गूगल पर आपके लिंक्डइन प्रोफाइल को ढूंढना आसान हो। इसके लिए आप लॉगिन करें, अकाउंट और सेटिंग्स पर जाकर पब्लिक प्रोफाइल पर क्लिक करें और पेज पर यूआरएल एडिट करने का विकल्प चुने।

यदि आप फेसबुक प्रोफाइल को पेशेवर नेटवर्किंग के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं तो अपने प्रोफाइल में जरूरी बदलाव करने के लिए तैयार रहें। इसका मतलब है आपको कुछ कमेंट के साथ-साथ तस्वीरें हटानी होंगी, जो आपकी पेशेवर जिंदगी के लिहाज से ठीक न हों। अगर आपको पार्टी करना पसंद है और नहीं चाहते कि भावी बॉस आपकी पर्सनल प्रोफाइल देखें तो सारी प्राइवेसी सेटिंग में 'फ्रेंड्स ओनली' का ऑप्शन चुनें और कौन आपके प्रोफाइल को देखेगा, इसके प्रति सेलेक्टिव रहें। फेसबुक पर प्राइवेसी सेटिंग बदलें, ताकि यह तय हो सके कि आपके पेज को कौन देखेगा। इससे नियोक्ता भी आपसे एड हुए बिना आपकी प्रोफाइल को नहीं देख पाएंगे। इसके अलावा सेटिंग में बदलाव करें, ताकि लोग आपकी फेसबुक वॉल पर कोई अनुचित पोस्ट न डाल सकें। अगर आपने कहीं काम किया है और उस संस्था से जुड़े लोग आपकी फ्रेंडलिस्ट में हैं तो कस्टम सेटिंग का विकल्प चुन कर उन्हें अपनी निजी पोस्ट देखने से रोक सकते हैं।

कम लागत से शुरू कर सकते हैं ये बिजनेस

स्टार्टअप शुरू करने में थोड़ी इनवेस्टमेंट की जरूरत होती है जो कई लोगों के लिए मुश्किल काम होता है। ऐसे में अगर कोई ऐसा बिजनेस हो जिसे कम लागत में शुरू किया जा सके तो आप जरूर करना चाहेंगे। यहां हम आपको कुछ ऐसे बिजनेस आइडिया के बारे में बताने जा रहे हैं जो एक लाख रुपए से कम लागत में भी शुरू किए जा सकते हैं।

आजकल स्टार्टअप का जमाना है। हर कोई नौकरी की बजाए अपना खुद का कोई बिजनेस करना चाहता है। स्टार्टअप शुरू करने में थोड़ी इनवेस्टमेंट की जरूरत होती है जो कई लोगों के लिए मुश्किल काम होता है। ऐसे में अगर कोई ऐसा बिजनेस हो जिसे कम लागत में शुरू किया जा सके तो आप जरूर करना चाहेंगे। यहां हम आपको कुछ ऐसे बिजनेस आइडिया के बारे में बताने जा रहे हैं जो एक लाख रुपए से कम लागत में भी शुरू किए जा सकते हैं। हम यहां जिन कामों के बारे में बताने जा रहे हैं उनमें से कुछ ऐसे भी है जिन्हें महज 50,000 रुपए की लागत से शुरू किया जा सकता है। इनवेस्टमेंट के हिसाब से इन कामों को बढ़ाया भी जा सकता है।

पुरानी कारों की डीलरशिप

भारत में कारों का बिजनेस खूब बढ़ रहा है ऐसे में नई कारों की डीलरशिप के साथ-साथ सेकंड हैंड कारों का बाजार भी डिमांड में है। आप पुरानी कारों की डीलरशिप का बिजनेस शुरू कर सकते हैं। डीलरशिप के अलावा इसमें आप कमिशन भी कुछ कमा सकते हैं। बशर्ते आप को क्लाइंट को ढूंढना होगा और उनको डील करानी होगी।

आइस क्रीम पार्लर

आइस क्रीम पार्लर भी एक बढ़िया निवेश है। सर्दियों के मौसम को छोड़ दें तो ये हमेशा मांग में रहता है। इसके लिए आपको बस एक फ्रीजर खरीदना होता है या फिर आप आइसक्रीम कंपनियों की फ्रेंचाइजी भी ले सकते हैं। इनमें क्वालिटी वडीलाल जैसी बड़ी आइसक्रीम कंपनियां शामिल है और ये कंपनियां आइसक्रीम बिक्री की 10-20 फीसदी तक कमीशन के रुप में देती हैं।

ड्राइविंग स्कूल

ड्राइविंग स्कूल शुरू करना एक बेहतरीन आयडिया है और देश में गाड़ियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए ये बिजनेस कभी भी घाटे में नहीं रहने वाला। शहरों में तो आजकल एक भी ऐसा शख्स नहीं मिलेगा जो ड्राइविंग नहीं सीखना चाहता हो। इसके लिए आपको सिर्फ एक गाड़ी की जरुरत पड़ती है जो कि आप सेकेण्ड हैंड भी खरीद सकते हैं। एक अनुमान के मुताबिक कुछ ड्राइविंग स्कूल चलाने वाले लोग एक दिन में 8 से 10 हजार रुपए तक कम लेते हैं। इसके लिए आपके पास ड्राइविंग लाइसेंस और अनुभव होना जरूरी है या फिर आप किसी दूसरे आदमी से भी क्लासेज दिलवा सकते हैं।

मोबाइल गैरेज

शहरों के साथ ही ग्रामीण इलाकों में भी कारों की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। आम वाहनों की तरह कार में भी खराबी आना आम समस्या है। ऐसे में कार के मालिक को जरूरत होती कि कार जहां खड़ी है वहीं पर कोई मैकेनिक आकर कार रिपेयर कर जाए। ऐसे में यदि आप कार- ऑटो रिपेयिंग का थोड़ा बहुत अनुभव रखते हैं तो लोगों को मोबाइल गैरेज की सर्विस दे सकते हैं। इसके लिए आपको जरूरी है एक सेकंड हैंड बाइक और एक टूल बॉक्स जोकि दोनों में 50 हजार तक में आ जाएंगे। अपने साथ आप एक हेल्पर या मैकेनिक रखें तो बेहतर होगा। मोबाइल गैरेज के जरिए आप 2 से 5 हजार रुपए तक रोज कमा सकते हैं।

एजुकेशन लोन डिफॉल्ट छात्रों का क्रेडिट स्कोर हो सकता है खराब

सब्सिडी या कम ब्याज पर दिए गए एजुकेशन लोन में बढ़ रहे डिफाल्ट के मामलों के बारे में क्रेडिट इंफॉर्मेशन कंपनी सिबिल कहा कि इस तरह की डिफॉल्ट हिस्ट्री छात्रों के क्रेडिट स्कोर पर विपरीत असर डाल सकती हैं जो कि उनकी ओर से भविष्य में लिए जाने वाले किसी अन्य लोन में मुसीबतें पैदा करेगा।

कम राशि में डिफॉल्ट के मामले ज्यादा सिबिल ने बताया कि एजुकेशन लोन पर इस तरह के डिफॉल्ट मामले करीब 5 फीसदी हैं, जिनमें 90 दिनों से ज्यादा का ड्यूज है। कम ब्याज दरों पर 4 लाख से कम राशि के लोन के डिफॉल्ट के मामले (8.1 फीसदी) लंबी राशि के लोन के मुकाबले ज्यादा हैं। अन्य श्रेणियों के लिए तुलनात्मक डिफॉल्ट दरें हैं, 4 से 5 लाख के लिए 4.8 फीसदी और 5 से 15 लाख के लिए 2.1 फीसदी। वहीं 15 लाख के ऊपर की राशि के बड़े लोन पर डिफॉल्ट के मामले करीब 1 फीसदी हैं।

क्या होता है क्रेडिट स्कोर

आपका क्रेडिट स्कोर दरअसल आपकी ओर से पूर्व में लिए गए लोन और उसके चुकाने का ब्योरा भर होता है। बैंक आपके लोन की अर्जी को आपका क्रेडिट स्कोर चेक करने के बाद ही मंजूर करता है। अगर, अपका क्रेडिट स्कोर बेहतर है तो बैंक आपको आसानी से लोन मुहैया करा देते हैं।

क्या होता है क्रेडिट स्कोर और इसे कौन देता है

क्रेडिट स्कोर तीन अंको की एक संख्या होती है, जो 300 से 900 के बीच होती है। क्रेडिट स्कोर जितना अधिक होता है, उसे उतना ही बेहतर माना जाता है। एक डिफॉल्ट करने पर भी क्रेडिट स्कोर कमजोर हो सकता है। 79 फीसदी व्यक्तिगत लोन 750 से ज्यादा के स्कोर पर ही अप्रूव किए जाते हैं। क्रेडिट इन्फॉर्मेशन ब्यूरो (इंडिया) लिमिटेड क्रेडिट स्कोर देता है।

घर बैठे चेक करें अपना क्रेडिट स्कोर

आप सिबिल की वेबसाइट पर जाइए। यहां आपको एक फॉर्म भरना होगा। आपको शुल्क के रूप में 470 रुपए का भुगतान करना होगा। इसके बाद ऑथेन्टिकेशन के लिए आपसे पांच सवाल पूछे जाएंगे जिनमें से कम से कम तीन सवालों के सही जवाब आपको देने ही होंगे। प्रक्रिया पूरी होने के बाद आप अपना क्रेडिट स्कोर देख सकते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पाकिस्तानी आतंकी हैंडलर की प्रॉपर्टी सीज

जम्मू। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने मंगलवार को पुलवामा जिले के अवंतीपोरा इलाके में पाकिस्तान में मौजूद आतंकी हैंडलर की प्रॉपर्टी सीज की। आतंकी का नाम मुबाशिर अहमद की है। पुलिस के मुताबिक अवंतीपोरा में पुलिस ने त्राल के पस्तून इलाके के सैयदाबाद में चार मरला जमीन सीज की। अवंतीपोरा पुलिस की जांच में दौरान मुबाशिर अहमद की पहचान आतंकी हैंडलर के तौर पर हुई। अहमद लोकल आतंकी नेटवर्क को हथियार और गोला-बारूद उपलब्ध कराता था।

यूपी में ठंड से 25 मौतें

वाराणसी। यूपी में कड़ाके की ठंड का दौर जारी है। मंगलवार को 51 जिलों में कोहरा छाया है। वाराणसी समेत कई जिलों में विजिबिलिटी 50 मीटर तक पहुंच गई है। 30 की स्पीड से हवाएं चल रहीं। इससे गलन बढ़ गई है। ठंड के चलते प्रदेश में पिछले 24 घंटे में 10 की जान गई है। 48 घंटे में मौत का आंकड़ा 25 है। कोहरे के चलते वाराणसी में 13, जबकि लखनऊ में 10 फ्लाइट्स देरी से आईं। ट्रेनों पर भी असर देखने को मिला। कानपुर और वाराणसी रेलवे स्टेशन आने वाली करीब 200 ट्रेनें 12 घंटे तक लेट रहीं। मौसम विभाग ने 40 जिलों में कोल्ड-डे का अलर्ट जारी किया है। प्रयागराज और मुजफ्फरनगर में सुबह हल्की बूंदाबांदी हुई।

बर्फीली परिस्थितियों के कारण जम्मू और कश्मीर में बाद में उपचुनाव करवाये जायेंगे : ईसीआई

श्रीनगर/नई दिल्ली, । भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) ने मंगलवार को घोषणा की कि वह बर्फीली परिस्थितियों के कारण जम्मू और कश्मीर में बाद में उपचुनाव कराएगा। ईसीआई ने कहा कि उनके पास चुनाव कराने के लिए अभी भी समय है। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि वे क्षेत्र में बर्फीली परिस्थितियों के कारण आज बडगाम और नगरोटा में उपचुनाव के कार्यक्रम की घोषणा नहीं कर रहे हैं। सीईसी ने उल्लेख किया कि उनके पास चुनाव कराने के लिए 20 अप्रैल तक का समय है। उमर अब्दुल्ला ने 21 अक्टूबर को बडगाम सीट खाली कर दी थी जबकि देविंदर सिंह राणा के निधन के बाद 31 अक्टूबर को नगरोटा सीट खाली हो गई थी। जनप्रतिनिधित्व अधिनियम-1951 की धारा 151ए के अनुसार किसी भी रिक्ति को भरने के लिए उपचुनाव रिक्ति की तारीख से छह महीने के भीतर होना चाहिए। भाजपा द्वारा देविंदर सिंह राणा की बेटी देवयानी राणा को नगरोटा सीट से उम्मीदवार बनाए जाने की संभावना है लेकिन इस बात को लेकर व्यापक उत्सुकता है कि बडगाम सीट के लिए एनसी का उम्मीदवार कौन होगा। एनसी ने अपने उम्मीदवार के बारे में कोई संकेत नहीं दिया है जिससे राजनीतिक पर्यवेक्षकों और मतदाताओं में समान रूप से दिलचस्पी पैदा हो रही है। 2024 के जम्मू-कश्मीर चुनावों में उमर अब्दुल्ला ने अलगाववादी नेता आगा हसन के बेटे मुंतज़िर मेहदी को 18,000 से अधिक मतों के अंतर से हराकर बडगाम सीट जीती थी। देविंदर सिंह राणा ने नेशनल कॉन्फ्रेंस के जोगिंदर सिंह को 30,472 मतों से हराकर नगरोटा सीट जीती थी।

एचएमपीवी वायरस ने पसारा पैर, तमिलनाडु में मिले दो केस

चैन्नई। चीन में ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) बहुत तेजी से फैल रहा है। यह वायरस अब धीरे-धीरे भारत में पैर पसार रहा है। कर्नाटक, महाराष्ट्र, गुजरात और पश्चिम बंगाल के बाद तमिलनाडु में भी ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस के दो केस सामने आए हैं। मुख्य सचिव ने बताया कि दोनों संक्रमितों की हालत स्थिर है। तमिलनाडु सरकार के डीआईपीआर ने बताया गया कि एचएमपीवी कोई नया वायरस नहीं है। इसकी पहचान साल 2001 में की गई थी। आराम और अच्छी मात्रा में पानी पीने और उचित देखभाल से यह संक्रमण ठीक हो जाता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अब तक कर्नाटक में दो, महाराष्ट्र में दो, गुजरात में एक, पश्चिम बंगाल में एक और तमिलनाडु में वायरस के दो मामले सामने आए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, एचएमपीवी वायरस मुख्य रूप से पीड़ित व्यक्ति के श्वसन तंत्र को प्रभावित करता है। इसके लक्षण कई मामलों में कोविड-19 के समान ही होते हैं। ये वायरस मुख्य रूप से शिशुओं और छोटे बच्चों को संक्रमित करता है। इस वायरस से संक्रमित मरीज में सबसे आम लक्षण खांसी है। इसके साथ हल्का बुखार, घरघराहट, नाक बहना या गले में खराश जैसे परेशानी भी हो सकती है। वायरस से संक्रमित होने के बाद कुछ मामलों में गंभीर लक्षण आ सकते हैं। सांस लेने में तकलीफ भी हो सकती है।

युवक की बहादुरी देख लोग हुए हैरान : तेंदुए की पूंछ पकड़ी और पिंजड़े में डाल दिया

बेंगलुरु। कर्नाटक के तुमकुरु से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। तुमकुरु जिले के रंगपुरा गांव के निवासी आनंद कुमार ने एक खूंखार तेंदुए के आगे ऐसी बहादुरी दिखाई कि वन अधिकारी स्तब्ध रह गए। आनंद ने तेंदुए को पूंछ से पकड़ लिया और सुरक्षित रूप से पिंजरे में बंद कर दिया। बता दें कि शहरी इलाकों या बस्तियों में खूंखार जानवरों के घुस जाने से दहशत का माहौल हो जाता है। बीते अक्तूबर में उत्तर प्रदेश के बहराइच से ऐसा ही मामला सामने आया था। यहां के सुजौली थाना क्षेत्र के कतर्नियाघाट रेंज के अयोध्यापुरवा गांव में पिछले कुछ दिनों से एक तेंदुए का आतंक बना हुआ था। इस तेंदुए ने चार लोगों पर हमला किया, जिससे गांव के लोग डरे हुए और परेशान थे। लगभग 20 दिनों के बाद अयोध्यापुरवा गांव में खूंखार तेंदुए को आखिर पकड़ लिया गया है। वन विभाग ने तेंदुए को पिंजरे में कैद कर लिया था। दरअसल, इलाके में तेंदुए के आ जाने की खबर से कई दिनों से दहशत का माहौल था। सोमवार को वह पुरलेहल्ली रोड पर कुमार के घर के पास दिखाई दिया। वन विभाग के अधिकारी जानवर को पकड़ने के लिए पूरी तरह से तैयार थे। लेकिन जाल के साथ उनके प्रयास असफल साबित हुए। इस दौरान आनंद ने निडरता से कदम बढ़ाया, उसने तेंदुए को उसकी पूंछ से पकड़ लिया और उसे पिंजरे में कैद कर दिया। अपनी बहादुरी के लिए पूरे गांव में उसकी प्रशंसा हो रही है। वन अधिकारी उसके साहस से आश्चर्यचकित रह गए।

200 यूनिट फ्री बिजली और बुजुर्गों को 1500 रुपये पेंशन, बिहार में तेजस्वी ने किया ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कैमूर में अपनी कार्यकर्ता संवाद यात्रा के तहत 2025 के विधानसभा चुनाव में सत्ता में आने पर उपभोक्ताओं को 200 यूनिट मुफ्त बिजली देने का वादा किया। उन्होंने कहा कि हम हर घर को 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली देंगे। हम वरिष्ठ नागरिकों के लिए पेंशन बढ़ाकर 1500 रुपये प्रति माह करेंगे। हमने 5 लाख लोगों को रोजगार दिया। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि यह मेरा वादा है, जो राजद के सत्ता में आने पर पूरा किया जाएगा।

तेजस्वी यादव ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की आलोचना करते हुए उन्हें एक ऐसा नेता बताया जो थका हुआ है और उनका दिमाग ठीक नहीं है। तेजस्वी यादव ने कहा कि नीतीश कुमार थक चुके हैं और रिटायर्ड अफसरों के सहारे सरकार चला रहे हैं। कोई भी निर्णय लेने लायक नीतीश कुमार अब नहीं रहे हैं। पूरी तरीके से हाईजैक हो रखे हैं। उन्होंने कहा कि बिहार में पुलिस ने अपराधियों के आगे घुटने टेक दिए हैं। आज भी 156 अपराधों की सूची मैंने जारी की है।

तेजस्वी ने साफ तौर पर कहा कि अब नीतीश कुमार जी की साख नहीं रही है। प्रशांत किशोर को लेकर तेजस्वी यादव ने कहा कि एक कहानी लिखी गई है जिसमें एक निर्देशक, निर्माता, फाइनेंसर, अभिनेता, वैनिटी वैन है, कौन ये करा रहे हैं किस वजह से करा रहे हैं ये हम जानते हैं। किसी को छात्रों से लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा कि पूरी तरीके से एक फिल्म दिखाई जा रही है, एक नैरेटिव सेट करने की कोशिश की जा रही है। जिससे हम अवगत हैं। ये भाजपा की बी टीम है।

संसद में डॉ. भीमराव आंबेडकर पर टिप्पणी पर गृहमंत्री अमित शाह के विरुद्ध परिवाद दायर

सुल्तानपुर। यूपी के सुल्तानपुर में मंगलवार को एमपी-एमएलए कोर्ट में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के विरुद्ध परिवाद दायर हुआ है। विशेष मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा ने याचिका पर 15 जनवरी को सुनवाई की तारीख नियत की है। यह परिवाद अमित शाह द्वारा संविधान रचयिता डॉ भीमराव आंबेडकर को लेकर की गई टिप्पणी पर किया गया है। यह परिवाद धम्मौर थाना क्षेत्र के बनकेपुर सरैया निवासी रामखेलावन ने कराया है।

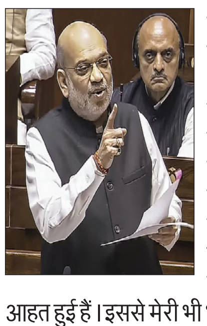

रामखेलावन ने बताया कि गृहमंत्री अमित शाह द्वारा 17 दिसंबर 2024 को सदन में डॉ. भीमराव आंबेडकर पर टिप्पणी की गई। कहा कि जिनकी बदौलत अमित शाह आज गृहमंत्री हैं, उन्हीं के खिलाफ अभद्र टिप्पणी की। जिनको करोड़ों गरीब मजदूर अपना भगवान मानते हैं, उससे करोड़ों लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं। इससे मेरी भी भावना आहत हुई है। बताया कि इसी को लेकर गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ परिवाद दायर किया है। अधिवक्ता जयप्रकाश ने बताया कि अमित शाह ने लोकसभा में बाबा साहब आंबेडकर को लेकर अमर्यादित टिप्पणी किया था। उन्होंने बाबा साहब का अपमान किया। इसी बात को लेकर परिवादी राम खेलावन ने कोर्ट में परिवाद दायर किया है। परिवादी ने कोर्ट को बताया कि बीते 24 दिसंबर 2024 को बहुजन समाज पार्टी के साथ मिलकर पुलिस अधीक्षक को मिलकर दिया था। साथ ही उन्हें रजिस्टर डाक से भी कार्रवाई के लिए तहरीर भेजी थी। लेकिन, पुलिस द्वारा कार्रवाई नहीं की गई। तब हम न्याय के लिए कोर्ट आए हैं।

बीपीएससी मामले की सुनवाई करने से सुप्रीम कोर्ट का इनकार, कहा-पटना हाईकोर्ट जाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) 70वीं प्रीलिम्स परीक्षा को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया। कोर्ट ने याचिकाकर्ता से कहा कि यह मामला पटना हाईकोर्ट में सुलझाया जाना चाहिए। याचिका में परीक्षा रद्द करने और प्रदर्शन के दौरान कैंडिडेट्स पर लाठीचार्ज करने के लिए जिले के एसपी और डीएम के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई थी।

सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी सीजेआई संजीव खन्ना, जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच ने इस मामले पर सुनवाई की और कहा कि याचिकाकर्ता को पटना हाईकोर्ट में अपील करनी चाहिए। याचिकाकर्ता के वकील ने यह दावा किया कि पूरे देश ने देखा है कि बिहार पुलिस ने कैसे बेरहमी से प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज बरसाई, लेकिन कोर्ट ने कहा कि यह हाईकोर्ट का मामला है, आप वहीं जाएं। यह याचिका आनंद लीगल एंड फोरम ट्रस्ट की ओर से दायर की गई थी, जिसमें बीपीएससी परीक्षा के दौरान धांधली का आरोप लगाया गया। याचिका में पूरे मामले की जांच सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज की अध्यक्षता में सीबीआई से कराने की भी मांग की गई थी। बीपीएससी परीक्षा की असमंजस स्थिति बीपीएससी 70वीं कंबाइंड सिविल सेवा परीक्षा के लिए नोटिफिकेशन 20 सितंबर 2024 को जारी किया गया था। इस परीक्षा के लिए 1964 पदों पर भर्ती निकाली गई थी, जो बीपीएससी के इतिहास में सबसे बड़ी वैकेंसी मानी जा रही है। नोटिफिकेशन जारी होने के बाद से परीक्षा को लेकर असमंजस की स्थिति बनी, क्योंकि पांच बार पदों को अपडेट किया गया और परीक्षा की तारीख को तीन बार बढ़ाया गया।

डल्लेवाल ने मेडिकल सुविधा लेने से किया इनकार कहा- मेरी जान नहीं किसान है प्राथमिकता

चंडीगढ़ (एजेंसी)। बीते 42 दिनों से अनशन पर किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल की सेहत बिगड़ गई है। सुप्रीम कोर्ट की ओर से गठित कमेटी ने मुलाकात की। इस दौरान डल्लेवाल ने साफ कर दिया कि मेरे लिए मेरी जान नहीं किसान है पहली प्राथमिकता। किसानों का हित पहले है और सेहत दूसरे नंबर पर है। उन्होंने 42 दिनों से जारी अनशन ना तोड़ने पर अडिग रहने की बात कही। इसके अलावा अस्पताल जाकर मेडिकल सुविधा लेने के प्रस्ताव को भी खारिज कर दिया। डल्लेवाल ने कहा कि मेरी प्राथमिकता कृषि सुधार है। मेरी जिंदगी और सेहत तो बाद की बात हैं। हाई कोर्ट के रिटायर्ड जज जस्टिस नवाब सिंह, पूर्व डीजीपी बीएस संधू, अर्थशास्त्री बीएस घुम, कृषि एक्सपर्ट देविंदर शर्मा और पंजाब किसान आयोग के चेयरपर्सन सुखपाल सिंह को सुप्रीम कोर्ट ने बातचीत के लिए तय कमेटी में शामिल किया है।

इस दौरान किसान डल्लेवाल की सेहत के लिए चिंतित दिखाई दिए। जस्टिस नवाब सिंह से एक किसान ने तो यहां तक अपील की कि आप लोग जल्दी से उन्हें राजी कर लेंगे, वरना हम लोग अपना नेता खो देंगे।

वहीं जब कमेटी के सदस्य मिलने पहुंचे तो डल्लेवाल ने अनशन तोड़ने या फिर स्वास्थ्य लाभ लेने से बिलकुल इनकार कर दिया। डल्लेवाल ने कहा, क्या मैं एक आग्रह कर सकता हूं? मुझे 42 दिन हो चुका है। यदि भगवान मेरे साथ हैं तो कुछ नहीं होगा। मेरी एक ही बात है कि यदि सरकार किसानों पर कुछ दया दिखाती है तो फिर मुझे यह सब करने की जरूरत ही नहीं है। सरकार को समय-समय पर अपने वादे पूरे करने चाहिए। मैं आप लोगों से अपील करता हूं कि सरकार से कहें कि हमारी मांगों को मान ले ताकि मुद्दों का समाधान हो सके।

कमेटी के मेंबर दोपहर को करीब सवा 3 बजे खनौरी बॉर्डर पहुंचे, लेकिन किसान नेता से महज 10 मिनट की ही बात हो सकी। वहीं सुप्रीम कोर्ट में भी सोमवार को सुनवाई हुई थी, जिसमें जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एनके सिंह की बेंच ने कहा कि उम्मीद करते हैं कि कुछ हल निकल जाएगा। लेकिन किसान नेता के अड़ियल रुख के आगे किसी की चलती नहीं दिख रही। लंबी चली मशक्कत के बाद किसान नेता ने कमेटी से मुलाकात तो कर ली, लेकिन यह भी साफ कर दिया कि अनशन जारी रहेगा और मेडिकल सुविधा भी नहीं लेंगे। अनशन स्थल पर ही जस्टिस नवाब सिंह ने किसानों से भी बात की और फिर डल्लेवाल से मिलने के लिए टेंट सिटी पहुंचे।

डल्लेवाल की लगातार बिगड़ रही सेहत

किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल की हालत सोमवार शाम को 'बिगड़ गई' और उनका रक्तचाप गिर गया। प्रदर्शन स्थल पर मौजूद चिकित्सकों ने यह जानकारी दी। चिकित्सकों ने बताया कि डल्लेवाल का रक्तचाप 80/56 तक गिर गया है और इसमें उतार-चढ़ाव हो रहा है। डॉ. अवतार सिंह ने कहा, उनकी हालत बिगड़ गई है। उनका रक्तचाप तेजी से गिरा है। उनकी हालत देखकर हम चिंतित हैं। हम उन्हें कोई चिकित्सकीय सहायता नहीं दे सकते। गैर सरकारी संगठन '5 रिवर्स हार्ट एसोसिएशन' की टीम में शामिल सिंह ने कहा, हमने उनके पैर ऊपर किए जिसके बाद उनके रक्त प्रवाह में थोड़ा सुधार हुआ। उन्होंने बताया कि डल्लेवाल के रक्तचाप में उतार-चढ़ाव हो रहा है।

बैठक से पहले ही बिगड़ी प्रशांत किशोर की तबीयत, एंबुलेंस से ले गए अस्पताल

पटना (एजेंसी)। बिहार में जन सुराज पार्टी नेता प्रशांत किशोर की तबीयत खराब हो गई है उन्हें मेदांता अस्पताल ले जाया गया है। इससे पहले प्रशांत किशोर के आवास पर एंबुलेंस पहुंची, जिसमें उन्हें अस्पताल ले जाया गया। बता दें, मंगलवार को प्रशांत किशोर के अनशन का छठा दिन है।

गौरतलब है कि प्रशांत किशोर ने मंगलवार को पटना के शेखपुरा हाउस में जन सुराज पार्टी की बैठक बुलाई थी। इस बैठक में आगे की योजना पर चर्चा होनी थी। बैठक में तय किया जाना था कि प्रशांत अब अपना अनशन किस स्थान पर जारी रखेंगे, लेकिन उसके पहले ही उनकी तबीयत बिगड़ गई है, जिसके बाद उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। मंगलवार सुबह ही पार्टी के सोशल मीडिया पेज पर एक पोस्ट शेयर की गई थी, जिसमें लिखा था- मामला तो गांधी मैदान में ही निपटेगा। सीएम नीतीश कुमार की जिद से बड़ी है बिहार के युवाओं की जिद। सुनिए नीतीश जी और बीजेपी यदि बिहार के स्वाभिमान को लाठियों के बल पर कुचलने का मुगालता पाल रखा है तो इस अहंकार को तोड़ना हर बिहारी का नैतिक

दायित्व है और हाँ गाँधी मैदान याद रखिएगा !

प्रशांत किशोर ने बीपीएससी छात्रों के मुद्दे को लेकर अब सत्याग्रह का ऐलान किया है। एक्स पर उनकी टीम की ओर से एक पोस्ट शेयर किया गया है जिसमें लिखा- दम है कितना दमन में तेरे, देख लिया है देखेंगेज जगह है कितनी जेल में तेरे, देख रहे हैं देखेंगे। पुलिस कस्टडी से बाहर निकलते ही प्रशांत किशोर ने खुलकर अपनी बात कही। इस दौरान प्रशांत ने कहा कि दो घंटे पहले जिस प्रशांत किशोर को बिहार पुलिस पकड़ कर जेल ले गई थी, अब उसे ही रिहा कर दिया है। कोर्ट ने हमें अकंडिशनल बेल दिया है। मैं हमेशा कहता हूं कि जनबल के आगे कोई बल नहीं है। यह जनता के लिए किया गया सत्याग्रह का ही प्रभाव है।

राहुल गांधी ने नहीं दिया जवाब, बरेली कोर्ट से दूसरा समन जारी; ओवैसी को भी पेश होने का आदेश

बरेली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सांसद असदुद्दीन ओवैसी की ओर से बरेली के जिला जज न्यायालय से जारी समन का कोई जवाब नहीं दिया गया। मंगलवार को दोनों नेताओं के खिलाफ दायर रिवीजन याचिकाओं को अपर सत्र न्यायाधीश कोर्ट संख्या दो में स्थानांतरित कर दिया गया। साथ ही दूसरा समन जारी कर कोर्ट ने राहुल गांधी को 18 जनवरी और असदुद्दीन ओवैसी को 19 जनवरी को याचिका पर सुनवाई के दौरान पेश होने के आदेश दिए हैं।

विदित हो कि लोकसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी की ओर से आर्थिक सर्वेक्षण को लेकर बयान दिया था। हिंदूवादी संगठनों की ओर से इसका तीखा विरोध हुआ था। इसी मामले में अखिल भारतीय हिंदू महासभा के मंडल अध्यक्ष पंकज पाठक की ओर से बरेली के कोर्ट में अर्जी दी गई थी। एमपी-एमएलए कोर्ट ने उस वक्त अर्जी को खारिज कर दिया था। इस आदेश के संबंध में पंकज पाठक ने जिला एवं सत्र न्यायालय में अपील कर दी। मामले का संज्ञान लेते हुए सत्र न्यायालय ने वाद दायर कर सुनवाई के लिए सात जनवरी 2025 की तिथि निर्धारित की। न्यायालय ने नोटिस जारी कर राहुल गांधी को पेश होने का आदेश भी दिया। लेकिन, राहुल गांधी न पेश हुए और न ही उनकी तरफ से कोई जवाब आया। इस पर कोर्ट से दूसरा समन जारी किया गया है।

उधर, जय फलस्तीन बोलने पर ओवैसी के खिलाफ याचिका दाखिल हुई है। बीते वर्ष लोकसभा चुनाव के बाद सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने संसद में शपथ लेने के बाद जय फलस्तीन का नारा लगाया था। इसके बाद अधिवक्ता वीरेंद्र गुप्ता की ओर से अवर न्यायालय में असदुद्दीन ओवैसी के खिलाफ याचिका दायर की गई थी, जिसे खारिज कर दिया गया था। इसके बाद अधिवक्ता ने पुनरीक्षण याचिका दायर की थी। जिला जज की अदालत ने पुनरीक्षण याचिका को स्वीकार करते हुए सांसद असदुद्दीन ओवैसी को सात जनवरी को हाजिर होने के लिए नोटिस जारी किया था। ओवैसी की तरफ से भी कोई जवाब दाखिल नहीं किया गया। इस पर कोर्ट ने 19 जनवरी को पेश होने के आदेश दिए हैं।

मौसम विभाग ने उत्तर भारत के राज्यों के लिए जारी किया अलर्ट

* फसलों पर भारी पड़ेगी बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के उत्तरी मैदानों में हफ्ते के अंत में पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से बेमौसम बारिश होने की संभावना है। पंजाब, हरियाणा और दिल्ली के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश हुई। यह बारिश पश्चिमी विक्षोभ की हलचल के कारण हुई है। पश्चिमी विक्षोभ अब इस क्षेत्र से दूर जाना शुरू हो गया है। जैसे-जैसे पश्चिमी विक्षोभ (मौसम प्रणाली) पीछे हट रहा है वैसे ही बर्फ से ढके पहाड़ों से सूखी और ठंडी हवाएं उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत के भागों में चलनी शुरू हो जाएंगी। जिससे न्यूनतम तापमान में भारी गिरावट आएगी।

लेकिन आने वाले दिनों में फिर से मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा, क्योंकि एक और पश्चिमी विक्षोभ पश्चिमी हिमालय की ओर बढ़ रहा है। यह मौसम प्रणाली (पश्चिमी विक्षोभ) उत्तर राजस्थान और उससे सटे पंजाब और हरियाणा में प्रेरित चक्रवातीय परिसंचरण को सक्रिय करेगी। इस प्रणाली के प्रभाव से उत्तर राजस्थान में सबसे पहले बारिश और गरज-चमक की गतिविधियां शुरू होंगी। धीरे-धीरे यह गतिविधियां पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और दिल्ली एनसीआर के कई हिस्सों में फैलेंगी।

कृषि के लिए बड़ा खतरा बन सकती है ओलावृष्टि

गरज-चमक के साथ ओलावृष्टि की संभावना भी बनी हुई है, जो कृषि के लिए बड़ा खतरा बन सकती है। अगर ऐसा होता है, तो ओलावृष्टि खड़ी फसलों को नुकसान पहुंचा सकती है, विशेषकर जो फसलें विकास के चरण में हैं। पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के किसानों को सतर्क रहने की जरूरत है, जिससे इस कठोर मौसम में होने वाले नुकसान को कम किया जा सके।

वीकेंड पर बारिश का अलर्ट

पश्चिमी विक्षोभ के हटने के कारण वीकेंड से पहले तक न्यूनतम तापमान में भारी गिरावट होगी। पंजाब, हरियाणा और राजस्थान के कुछ हिस्सों में ठंड का प्रकोप देखा जाएगा और रातें बेहद सर्द होंगी। हालांकि, यह ठंडा मौसम ज्यादा दिनों तक नहीं रहेगा क्योंकि नया पश्चिमी विक्षोभ तापमान के रुझान को पलट देगा। जैसे-जैसे बारिश और बादल छाने की संभावना बढ़ेगी, न्यूनतम तापमान फिर से बढ़ने लगेगा। खासकर 11 जनवरी से उत्तर पश्चिम भारत और उससे सटे उत्तर प्रदेश के मैदानों में बारिश होगी और तापमान बढ़ेगा।

संक्षिप्त समाचार

उत्तर कोरिया ने समुद्र में मिसाइल दागी: दक्षिण कोरिया

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया की सेना ने कहा कि उत्तर कोरिया ने 2025 में भी अपनी हथियार परीक्षण गतिविधियों को जारी रखते हुए समुद्र में कम से कम एक बैलिस्टिक मिसाइल दागी है। सोमवार को दक्षिण कोरिया के एक शीर्ष सैन्य अधिकारी ने तत्काल इस बात की पुष्टि नहीं की है कि कितनी मिसाइलें दागी गईं या उनका निशाना कितनी दूर तक था। यह प्रक्षेपण ऐसे समय में किया गया है जब अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन उत्तर कोरिया से जुड़े परमाणु खतरे और अन्य मुद्दों पर दक्षिण कोरियाई सहयोगियों के साथ बातचीत के लिए सियोल की यात्रा पर हैं।

रूस से लगे सागर में टैंकर से तेल रिसाव होने के कारण 32 डॉल्फिन की मौत

मास्को, एजेंसी। केर्च जलडमरूमध्य में तीन हफ्ते पहले समुद्री तूफान की चपेट में आये दो टैंकर से तेल का रिसाव होने से 32 डॉल्फिन की मौत हुई है। एक पशु बचाव समूह ने रविवार को यह जानकारी दी। केर्च जलडमरूमध्य रूस के कब्जे वाले क्रीमिया प्रायद्वीप को रूस के दक्षिणी क्रास्नोडार क्षेत्र से अलग करता है। रूस के डेल्फा डॉल्फिन बचाव एवं अनुसंधान केंद्र ने कहा कि ये मौतें ''संभवत: ईंधन तेल का रिसाव होने से संबंधित हैं।'' रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने तेल रिसाव को ''पारिस्थितिक आपदा'' करार दिया है।

मेलानिया ट्रंप के जीवन पर आधारित वृत्तचित्र अमेजन प्राइम वीडियो पर प्रसारित होगा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पत्नी मेलानिया ट्रंप के जीवन पर आधारित वृत्तचित्र ओटीटी (ओवर द टॉप) मंच अमेजन प्राइम वीडियो पर प्रसारित किया जाएगा। अमेजन प्राइम वीडियो ने रविवार को बताया कि ब्रेट रैटनर निर्देशित इस वृत्तचित्र को इस साल के उत्तरार्ध में रिलीज किया जाएगा। कंपनी ने कहा कि इसमें दर्शकों को मेलानिया के जीवन के 'अनछुए पहलुओं' से रूबरू होने का मौका मिलेगा।

जापान: परमाणु हमले में जिंदा बचे समाजसेवी शिगेमी का निधन

टोक्यो, एजेंसी। नागासाकी परमाणु बम हमले में जिंदा बचने वाले जापान के सामाजिक कार्यकर्ता शिगेमी फुकाहोरी का निधन हो गया। उन्होंने अपना पूरा जीवन शांति व परमाणु हथियारों के खिलाफ आंदोलन को सौंप दिया था। वह 93 वर्ष के थे। उराकामी कैथोलिक चर्च ने रविवार को बताया कि फुकाहोरी की मौत तीन जनवरी को दक्षिण-पश्चिमी जापान के नागासाकी के एक अस्पताल में हुई। स्थानीय मीडिया के अनुसार, फुकाहोरी की मृत्यु वृद्धावस्था के कारण हुई। चर्च ग्राउंड जीरो से लगभग 500 मीटर की दूरी पर स्थित है। इसका घंटाघर व कुछ मूर्तियां परमाणु बमबारी से बच गई थीं। अमेरिका ने 9 अगस्त, 1945 को नागासाकी पर जब परमाणु बम गिराया था, तब फुकाहोरी सिर्फ 14 साल के थे। इसमें लाखों मौतें हुई थीं। हमले में शिगेमी के परिवार समेत हजारों लोग मारे गए थे। यह घटना हिरोशिमा पर परमाणु हमले के तीन दिन बाद हुई थी। फुकाहोरी जहां बम गिराया गया, उसके करीब तीन किलोमीटर दूर एक शिपयार्ड में काम करते थे। वह इस हमले से इतने सहम गए थे कि इसके बारे में कई वर्षों तक बात नहीं कर पाए।

कनाडाई संगठनों पर चीनी प्रतिबंध की तिब्बती सरकार ने की आलोचना

टोरंटो, एजेंसी। भारत में तिब्बत की निर्वासित सरकार ने कनाडा में दो सामाजिक संगठनों और उनसे जुड़े 20 लोगों के खिलाफ प्रतिबंध लगाने के लिए चीन की तीखी आलोचना की है। निर्वासित तिब्बती संसद की डिप्टी स्पीकर डोलमा सेरिंग ने कहा कि यह फैसला दिखाता है कि चीनी कम्युनिस्ट शासन हर मामलों में दखल देना चाहता है। चीन ने कनाडा के जिन दो सामाजिक संगठनों को निशाना बनाया है, उसमें कनाडा तिब्बत कमेटी व उइगर मुसलमानों के अधिकारों की वकालत करने वाला एक संगठन शामिल है। डोलमा ने संयुक्त राष्ट्र व लोकतांत्रिक देशों से अपील की है कि वे चीन के फैसले के खिलाफ खड़े हों। उन्होंने कहा, तिब्बत व उसके लोगों के ऊपर अपनी ही जमीन पर लगातार अत्याचार हो रहा है। चीनी प्रशासन अब तिब्बती लोगों की आवाज दबाने के लिए तिब्बत के बाहर भी अपनी ताकत का इस्तेमाल कर रहा है।

अमेरिका में 10 साल के सबसे बर्फीले तूफान का खतरा

7 राज्यों ने इमरजेंसी घोषित की, 6 करोड़ लोगों का जीवन प्रभावित

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में रविवार को भीषण बर्फीला तूफान की वजह से कई राज्यों में हाई अलर्ट घोषित किया गया है। आशंका जताई जा रही है कि यह अमेरिका में पिछले 10 साल का सबसे भीषण बर्फीला तूफान हो सकता है। हालात देखते हुए अमेरिका के 7 राज्य केंटकी, वर्जीनिया, वेस्ट वर्जीनिया, कंसास, अर्कांसस और मिसौरी में इमरजेंसी लगा दी गई है। न्यूज एजेंसी एपी के मुताबिक यूएस नेशनल वेदर सर्विस का कहना है कि इस तूफान से अमेरिका के 6 करोड़ से ज्यादा लोगों का जीवन प्रभावित होगा।

आमतौर पर गर्म रहने वाले फ्लोरिडा में भी में भारी बर्फबारी हो रही है। कंसास और मिसौरी के लिए खास चेतावनी जारी की गई है। नेशनल वेदर सर्विस का कहना है कि इन दोनों राज्यों के कई इलाकों में 8 इंच तक बर्फबारी हो सकती है। यहां पर 72 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल रही हैं।

पोलर वोर्टेक्स की वजह से आया तूफान अमेरिका में इस बर्फीले तुफान की बड़ी वजह से पोलर वोर्टेक्स (ध्रुवीय भंवर) को माना जा रहा है। पोलर वोर्टेक्स काउंटर क्लॉकवाइज (घड़ी की उल्टी दिशा) बहती हैं। पोलर वोर्टेक्स भौगोलिक संरचना के कारण आमतौर पर नॉर्थ पोल के चारों ओर घूमता है, लेकिन जब यह दक्षिण की तरफ बढ़ता है तो अमेरिका, यूरोप और एशिया में भारी ठंड लाता है।

इन दिनों अमेरिका में यही हो रहा है, एक्सपर्ट्स का मानना है कि ये ध्रुवीय हवाएं यूरोप और एशिया में चल सकती हैं। क्या खतरे हो सकते हैं जब पोलर वोर्टेक्स चल रही हों, तब घर से बाहर निकलना बेहद खतरनाक साबित हो सकता है। इस वक्त बिना विंटर किट के बाहर निकलने पर 5 से 7 मिनट में दिल का दौरा पड़ सकता है। इसके अलावा स्किन जम सकती है। ऐसे मौसम में गाड़ी भी स्टार्ट नहीं होती हैं। इससे बचने का सिर्फ एक ही उपाय है कि जब ध्रुवीय हवाएं चल रही हों, तब घर के भीतर ही रहें। कुछ रिसर्च से पता चला है कि बीते कुछ सालों में आर्कटिक तेजी से गर्म हो रहा है, जिससे पोलर वोर्टेक्स दक्षिण की तरफ शिफ्ट हो रहा है। अमेरिका इंडियाना स्टेट में तो हालात इतने खराब है कि सड़कों से बर्फ हटाने के आधा घंटे बाद हालात जस के तस हो जाते हैं।

शिकागो में ट्रेन और फ्लाइट कैंसिल : तेज सर्द हवओं को देखते हुए शिकागो से न्यूयॉर्क और सेंट लुइस जाने वाली सभी फ्लाइट्स और ट्रेन रद्द कर दी गई हैं। केंटकी राज्य में तो बर्फबारी का नया रिकॉर्ड बना है। राज्य के कुछ इलाकों में 10 इंच से ज्यादा बर्फबारी हुई है। इसी तरह लेक्सिंगटन में 5 इंच से ज्यादा बर्फबारी रिकॉर्ड की गई।एक्सपर्ट्स ने अमेरिका के दो तिहाई हिस्से में भीषण ठंड की स्थिति की चेतावनी दी है। माना जा रहा है कि टेम्परेचर स्टैंडर्ड लेवल से 7 से 14 डिग्री सेल्सियस नीचे गिर सकता है। रविवार को शिकागो का टेम्परेचर माइनस 7 से 10 सेल्सियस रहा, जबकि मिनियापोलिस में यह 0 डिग्री पहुंच गया।कनाडा बॉर्डर के पास मिनेसोटा के इंटरनेशनल फॉल्स में तापमान माइनस 11 डिग्री दर्ज किया गया। नेशनल वेदर सर्विस ने मैरीलैंड के एनापोलिस के आसपास 8 से 12 इंच बर्फबारी का पूर्वानुमान लगाया है।

यून सुक योल की गिरफ्तारी के लिए जांचकर्ताओं ने मांगी पुलिस से मदद, समर्थकों के विरोध के बाद फैसला

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया में राजनीतिक संकट लगातार गहरा रहा है और अब महाभियोग का सामना कर रहे राष्ट्रपति यून सुक योल को गिरफ्तार करना जांचकर्ताओं के लिए टेढ़ी खीर बन गया है। यून सुक योल की गिरफ्तारी का विरोध होने के बाद जांचकर्ताओं ने पुलिस से मदद मांगी है। शुक्रवार को जब जांचकर्ता यून सुक योल को गिरफ्तार करने पहुंचे तो यून सुक योल के सुरक्षाकर्मी उनसे भिड़ गए थे। इससे पहले गुरुवार को यून सुक योल के समर्थकों ने जांचकर्ताओं को आवास में घुसने नहीं दिया था।

एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दक्षिण कोरिया का भ्रष्टाचार जांच कार्यालय यून सुक योल के खिलाफ जांच कर रहा है। जांचकर्ताओं ने वारंट की अवधि समाप्त होने से पहले पुलिस को पत्र भेजकर मदद मांगी है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि भ्रष्टाचार जांच कार्यालय ने बिना किसी पूर्व परामर्श के हमारे सहयोग का अनुरोध किया है। उन्होंने हमें पत्र भेजा है। हम इसकी कानूनी समीक्षा कर रहे हैं। इसके अलावा भ्रष्टाचार जांच कार्यालय ने कहा कि यून सुक योल की गिरफ्तारी को लेकर हो रहे विरोध के चलते वारंट को तामील कराना संभव नहीं हो पा रहा है। हम समीक्षा के बाद आगे की योजना बना रहे हैं। हम समर्थकों के विरोध पर खेद जताते हैं, क्योंकि इससे कानूनी प्रक्रिया का पालन नहीं हो सका।

राष्ट्रपति के सुरक्षाकर्मियों ने नहीं होने दी गिरफ्तारी : दक्षिण कोरियाई जांचकर्ता शुक्रवार को यून सुक योल को उनके आवास पर गिरफ्तार करने पहुंचे थे, लेकिन स्थानीय मीडिया ने बताया कि राष्ट्रपति के सुरक्षा बलों ने जांचकर्ताओं को रोक दिया और यून की गिरफ्तारी फिर नहीं हो सकी।

यून जिन्हें हटाने के लिए पहले ही सांसद अपना समर्थन दे चुके हैं, अब सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद राष्ट्रपति पद से हट जाएंगे। यून की गिरफ्तारी का वारंट जारी हो चुका है, लेकिन दो बार कोशिश करने के बाद भी जांचकर्ता यून को गिरफ्तार नहीं कर सके हैं। अगर वे गिरफ्तार हो जाते हैं तो यून गिरफ्तार होने वाले दक्षिण कोरिया के पहले राष्ट्रपति बन जाएंगे। यून ने 3 दिसंबर को देश में मार्शल लॉ लगाने का फैसला किया था। हालांकि हंगामे के बाद उन्हें फैसला वापस लेना पड़ा। इसके लिए यून सुक योल को जेल की सजा और मृत्युदंड तक की सजा हो सकती है।

समर्थक भी जांचकर्ताओं को घुसने नहीं दे रहे : गुरुवार को यून समर्थकों ने उनकी गिरफ्तारी नहीं होने दी थी और यून समर्थक जांचकर्ताओं की टीम से भिड़ गए थे। यून की गिरफ्तारी के रोकने के लिए यून समर्थक उनके आवास के बाहर जमे हैं और प्रार्थनाओं का दौर चल रहा है। वहीं जांचकर्ताओं ने चेतावनी दी है कि जो भी व्यक्ति यून की गिरफ्तारी रोकने की कोशिश करेगा, उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

न्यू जर्सी में हत्या के आरोप में भारतीय मूल के पांच लोगों पर मुकदमा दर्ज

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के न्यू जर्सी के एक जंगल में एक भारतीय व्यक्ति की हत्या के आरोप में पांच भारतीय मूल के लोगों को गिरफ्तार किया गया है। यह जानकारी स्थानीय अधिकारियों ने दी। ओशन काउंटी के अभियोजक ब्रैडली बिलहिमर और न्यू जर्सी पुलिस के कर्नल पैट्रिक कैलाहन ने बताया कि इनमें से आखिरी आरोपी संदीप कुमार को गिरफ्तार किया गया। कुलदीप कुमार का शव 14 दिसंबर को न्यू जर्सी के ग्रीनवुड वन्यजीव प्रबंधन क्षेत्र में पाया गया था, जिसके शरीर पर गोली के निशान थे। हालांकि, उनके परिवार ने 26 अक्टूबर को उनके लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी, लेकिन उनका शव करीब दो महीने बाद मिला। अभियोजक कार्यालय ने बताया कि हत्या 22 अक्टूबर के आसपास की थी और शव पूरी तरह सड़ चुका था। संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) ने उनकी पहचान में मदद की। अभियोजक कार्यालय के अनुसार, कई कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा की गई जांच ने पांच आरोपियों को इस हत्या से जोड़ा। इन आरोपियों में चार लोग इंडियाना राज्य के ग्रीनवुड से हैं। सौरव कुमार (23), गौरव सिंह (27), निर्मल सिंह (30), और गुरदीप सिंह (22) और एक आरोपी संदीप कुमार (34) न्यूयॉर्क के ओजोन पार्क से है। अमेरिकी कानून के अनुसार, जब किसी आरोपी को दूसरे राज्य में गिरफ्तार किया जाता है, तो अभियोजकों को अदालत में प्रत्यर्पण प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है, इसमें गिरफ्तार व्यक्ति प्रत्यर्पण का विरोध कर सकता है।

सीरिया में मोसाद के जासूस को बीच चौराहे पर दी गई थी फांसी, 60 साल से कब्र का पता लगा रहा इजराइल

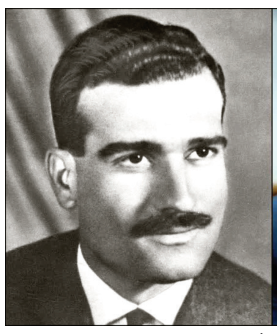

तेल अवीव, एजेंसी। इजराइल दुनिया भर में ऑपरेशन को अंजाम देने वाले अपने जासूसों के साथ हमेशा खड़ा रहता है और उन्हें वापस लाने के लिए हर संभव कोशिश करता है चाहे वो जीवित हों या उनकी मौत हो गई हो। इसी नीति के तहत इजराइसी खुफिया एजेंसी मोसाद के एक जासूस की मौत के 60 साल बाद भी इजराइल उसके अवशेष को सीरिया से वापस लाने की कोशिश कर रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, जासूस एली कोहेन के अवशेषों का पता लगाने और उन्हें वापस लाने के लिए इजराइली सरकार नए सिरे से प्रयास करते हुए सीरियाई और विदेशी अधिकारियों से संपर्क किया है। सीरिया के पूर्व राष्ट्रपति बशर अल-असद के शासन के पतन के बाद इजराइल ने यह कदम उठाया है। मोसाद के एजेंट कोहेन ने सीरिया में एक कथित सीरिया व्यवसायी कामेल अमीन थाबेट की पहचान के तहत घुसपैठ की थी और एक प्रभावशाली नेटवर्क बुनने में कामयाबी हासिल की। पकड़े जाने से पहले उन्होंने सीरिया के शीर्ष राजनीतिक और सैन्य अधिकारियों के साथ संबंध स्थापित किए। 18 मई, 1965 को दमिश्क में मरजेह चौक पर उन्हें फांसी दे दी गई थी। तब से सीरिया के अधिकारियों ने उनकी कब्र के स्थान को गुप्त रखा है।

एली कोहेन को बचाने के लिए इजराइल ने पूरी कोशिश की थी और अरब कैदियों के साथ आदान-प्रदान का प्रस्ताव दिया था, लेकिन सीरिया ने सभी मध्यस्थता प्रयासों को अस्वीकार कर दिया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, इजराइल कथित तौर पर सीरिया में उन समूहों के साथ संपर्क स्थापित करने की कोशिश कर रहा है, जिन्होंने 1982 में लेबनान पर आक्रमण के दौरान बेका में सुल्तान याकूब की लड़ाई के दौरान गायब हुए तीन सैनिकों में से एक का शव खोजने के लिए फिलिस्तीनी गुटों के साथ सहयोग किया था। यह लड़ाई 10 जून, 1982 को सीरियाई और इजराइली सेनाओं के बीच हुई थी।

कोहेन को फांसी पर लटकाए जाने के बाद यह अनुमान लगाया गया कि दफन स्थल कई बार बदला गया है, और उनके कब्र का पता लगाने के इजराइल के प्रयासों को विफल करने के लिए वर्षों से उन्हें अलग-अलग स्थानों पर दफनाया गया था। इजराल के सूत्रों का मानना है कि कोहेन की कब्र को ढूंढने के लिए पूर्व सीरियाई राष्ट्रपति बशर अल-असद के परिवार या उनके करीबी लोगों तक पहुंचना जरूरी है।

एली कोहेन की पत्नी नादिया कोहेन ने एक साक्षात्कार में कहा, हमने 60वें वर्ष की शुरुआत की है, जब एली को सीरिया में दफनाया गया था, मैंने अपना जीवन अकेले जिया और मुझे लगता है कि मैं इसके बाद भी अकेली रहूंगी। उन्होंने कहा, जब भी सीरिया के साथ बातचीत होती है और उम्मीद होती है, तो निराशा होती है। मोसाद प्रमुख डेविड बार्निया का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, डेविड बार्निया ने मुझे आगाह किया था कि शायद उन्हें शव न मिले।

मिस्र, अमेरिका के शीर्ष राजनयिकों ने गाजा, सीरिया पर चर्चा की

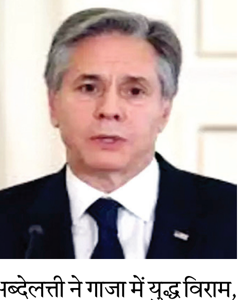

काहिरा, एजेंसी। मिस्र के विदेश मंत्री बद्र अब्देलत्ती ने अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन से फोन पर बात की। इस बातचीत में उन्होंने गाजा पट्टी और सीरिया की स्थिति पर चर्चा की। यह जानकारी मिस्र के विदेश मंत्रालय ने दी। शनिवार रात हुई इस चर्चा के दौरान अब्देलत्ती ने गाजा में तुरंत युद्ध विराम के लिए क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रयास जारी रखने पर जोर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि गाजा में मानवीय मदद की पहुंच बिना किसी रुकावट के सुनिश्चित की जानी चाहिए।

सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, मिस्र के विदेश मंत्री ने इजरायल से फिलिस्तीनी लोगों के खिलाफ अपनी आक्रामक नीतियां रोकने की मांग की। उन्होंने गाजा के स्वास्थ्य ढांचे और अस्पतालों को निशाना बनाने की इजरायल की रणनीति का कड़ा विरोध किया। इजरायल ने 7 अक्टूबर 2023 को हमास के आतंकियों द्वारा किए गए हमले के जवाब में गाजा पर बड़े पैमाने पर हमला शुरू किया था। इस हमले में करीब 1,200 इजरायली मारे गए और लगभग 250 को बंधक बना लिया गया था।

इसके बाद से गाजा में इजरायल के हमलों में 45,805 फिलिस्तीनी मारे गए हैं और 1,09,064 घायल हुए हैं। गाजा की स्वास्थ्य एजेंसियों के अनुसार यह आंकड़े रविवार को जारी किए गए। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय की रिपोर्ट के मुताबिक, नवंबर 2023 से अप्रैल 2024 के बीच मारे गए 8,119 लोगों में से लगभग 70 प्रतिशत महिलाएं और बच्चे थे। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के अनुसार, ब्लिंकन और अब्देलत्ती ने गाजा में युद्ध विराम, बंधकों की रिहाई, मानवीय मदद को बढ़ाने और युद्ध समाप्त करने के प्रयासों पर चर्चा की।

दोनों नेताओं ने सीरिया में राजनीतिक बदलाव पर भी बात की। दिसंबर 2024 की शुरुआत में सीरिया के पूर्व राष्ट्रपति बशर अल-असद की सरकार के पतन के बाद हुए बदलावों पर ध्यान दिया गया। मिस्र के विदेश मंत्रालय के अनुसार, अब्देलत्ती ने कहा कि सीरिया में ऐसा राजनीतिक बदलाव होना चाहिए जो बाहरी दबावों से मुक्त हो और देश की सुरक्षा, स्थिरता और अखंडता को बनाए रखे। अमेरिकी विदेश मंत्री ब्लिंकन ने सीरिया में समावेशी और सीरियाई नेतृत्व वाले शांतिपूर्ण राजनीतिक बदलाव का समर्थन दोहराया। उन्होंने क्षेत्र में शांति लाने में मिस्र की भूमिका की सराहना की।

मैक्सिको के बार में फिर से गोलीबारी, सात लोगों की मौत, पांच घायल, पुलिस ने शुरू की जांच

विलेहरमोसा, एजेंसी। दक्षिणी पूर्वी मैक्सिको के विलेहरमोसा शहर के एक बार में फिर से गोलीबारी हुई। इसमें सात लोगों की मौत हो गई। जबकि पांच लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि बार में गोलीबारी करने वाले अपराधियों की तलाश की जा रही है। विलेहरमोसा के बार में नवंबर 2024 में भी गोलीबारी हुई थी। इसमें छह लोगों की मौत हो गई थी।

गुप्त रूप से चल रहा था बार

अधिकारियों ने बताया कि बंदूकधारियो ने ला कैसीटा अजुल बार में घुसकर ग्राहकों पर गोलियां चला दीं। इसके बाद सात लोगों की मौत हो गई। इस बार को गुप्त रूप से चलाया जा रहा था। अफसरों का कहना है कि सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। साथ ही आरोपियों को पकड़ने के लिए पुलिस को तैनात कर दिया गया है।

पहले भी हो चुकी हैं ऐसी घटनाएं

इससे पहले 24 नवंबर को दक्षिण-पूर्वी मैक्सिको के डीबार नाम के बार में बंदूकधारियों ने गोलीबारी कर दी थी। इससे कम से कम छह लोगों की मौत हो गई थी और 10 अन्य घायल हो गए थे। इससे पहले नौ नवंबर को मध्य मैक्सिकन शहर क्वेरेटारो में बंदूकधारियों ने एक बार पर हमला कर 10 लोगों की हत्या कर दी थीष क्वेरेटारो के सार्वजनिक सुरक्षा विभाग के प्रमुख जुआन लुइस फेरुस्का के अनुसार, हमलावरों ने शहर के ऐतिहासिक जिले में लॉस कैंटारिटोस बार के अंदर गोलीबारी की थी। सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में बताया गया था कि हथियारों से लैस कम से कम 4 लोग एक पिकअप ट्रक पर सवार होकर आए थे और फिर उन्होंने हत्याकांड को अंजाम दिया था।

सेना की तैनाती के बाद बढ़े मामले

मैक्सिको में 2006 में तस्करी से निपटने के लिए सरकार ने सेना तैनात की थी। इसके बाद मैक्सिको में मादक पदार्थ संबंधी हिंसा में 4.5 लाख से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। मैक्सिको की राष्ट्रपति शिनबाम ने नशे की तस्करी को खत्म करने के लिए सामाजिक नीति का उपयोग करने का संकल्प लिया है।

टूडो के इस्तीफा देते ही ट्रंप ने कहा- अब कनाडा का अमेरिका में हो विलय

-अब चुनाव में लिबरल पार्टी का नेतृत्व नहीं करेंगे जस्टिन टूडो

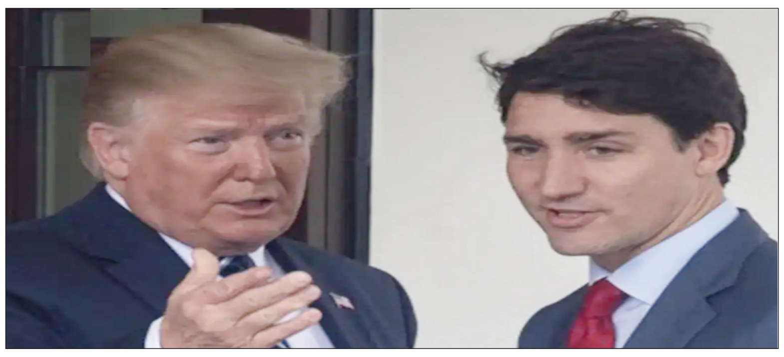

वाशिंगटन। भारत पर झूठे इल्जाम लगाने वाले कनाडा पीएम जस्टिन टूडो की आखिर कुर्सी चली ही गई। जस्टिन टूडो ने पीएम पद से इस्तीफा दे दिया है। इसका मतलब अब अगले चुनाव में वह लिबरल पार्टी का नेतृत्व नहीं करेंगे। इससे कनाडा में अब अगले पीएम की तलाश शुरु हो गई है। इस बीच अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जस्टिन टूडो के इस्तीफे की घोषणा होते ही कनाडा को अमेरिका में मिलाने की बात दोहरा दी।

जस्टिन टूडो के इस्तीफे पर डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अब कनाडा का अमेरिका में विलय हो जाना चाहिए। डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर से अपने पुराने प्रस्ताव को दोहराया है। उन्होंने पहले भी कहा था कि कनाडा का अमेरिका में विलय हो जाना चाहिए। अगर कनाडा का अमेरिका में विलय हो जाता है तो कोई टैरिफ नहीं लगेगा, टैक्स बहुत कम हो जाएगा और उन्हें रूस और चीन के जहाजों के खतरे से पूरी तरह सुरक्षा मिलेगी जो लगातार उन्हें घेरे रहते हैं। उन्होंने आगे कहा कि मिलकर, हम एक महान राष्ट्र बनेंगे!!!

बता दें पीएम टूडो को अपने नेतृत्व को लेकर असंतोष का सामना करना पड़ रहा था। पिछले साल के आखिर में वित्त मंत्री के अचानक इस्तीफे से टूडो के नेतृत्व वाली सरकार में हलचल मच गई थी। टूडो के इस्तीफे की घोषणा से कुछ समय पहले एक अधिकारी ने बताया था कि संसद 24 मार्च तक निलंबित रहेगी। संसद का सत्र 27 जनवरी को फिर से शुरू होना था। इस दौरान लिबरल पार्टी के नेतृत्व का चुनाव होगा। टूडो 2015 से कनाडा के पीएम थे और उनके इस्तीफे के बाद लिबरल पार्टी में नए नेता की तलाश शुरू हो गई है। टूडो के इस्तीफे से कनाडा में इस साल चुनाव की संभावना भी बढ़ गई है। इसके पहले टूडो ने इस्तीफा देने से इंकार कर दिया था, लेकिन पार्टी ने उन पर इस्तीफा देने का दबाव बनाया था और चेतावनी दी थी कि अगर वह इस्तीफा नहीं देंगे तो उन्हें पद से हटाने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

टूडो के इस्तीफे के बाद लिबरल पार्टी अब पीएम पद पर कार्यभार संभालने के लिए एक अंतरिम नेता का चयन करेगी। इसके साथ ही पार्टी एक विशेष नेतृत्व सम्मेलन भी आयोजित करेगी। यदि चुनाव इससे पहले होते हैं, तो पार्टी को ऐसे पीएम के अधीन काम करना पड़ेगा, जिन्हें पार्टी सदस्य नहीं चुनेंगे। यह कनाडा के इतिहास में पहली बार होगा।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास, भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गांधीनगर की स्टेट मॉनिटरिंग सेल ने रो-रो फेरी जहाज के माध्यम से कंटेनर द्वारा जूनागढ़ सप्लाई, 27 लाख रुपये की शराब जब्त

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गुजरात में शराबबंदी के बावजूद शराब तस्करी के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। हाल ही में, पुलिस ने 27 लाख रुपये की शराब जब्त की। यह शराब रॉ-रो फेरी के जरिए ले जाई जा रही थी।

गुजरात में शराब तस्करी के एक बड़े मामले का खुलासा हुआ है, जिसमें दमन से शराब लाकर गुजरात के विभिन्न हिस्सों में सप्लाई करने की योजना बनाई गई थी।

हजीरा रोड पर एल एंड टी गेट के पास से गांधीनगर की स्टेट मॉनिटरिंग सेल ने सोमवार शाम को एक कंटेनर पकड़ा। इस कंटेनर से 26.63 लाख रुपये की विदेशी शराब बरामद हुई। यह शराब हजीरा से रवाना होने वाले रो-रो फेरी जहाज के माध्यम से कंटेनर द्वारा जूनागढ़ सप्लाई की जानी थी।

विजिलेंस ने कंटेनर के चालक और क्लीनर को गिरफ्तार किया है। उनके पास से 26.63 लाख की शराब, 10 हजार रुपये नकद, मोबाइल और कंटेनर समेत कुल 41.79 लाख रुपये का माल जब्त किया गया।

गिरफ्तार चालक का नाम संदीप कल्याणजी दसोधरी(निवासी: धामनौद, धरमपुरी, बिहार) और क्लीनर का नाम हेमराज सुरेश सेमलिया(निवासी: खालघाट, धरमपुरी, धार) है। यह शराब "भैया" नाम के व्यक्ति ने सप्लाई की थी। चालक को भैया से दीपक ठाकुर ने परिचित कराया था।

कंटेनर भरने वाले, जूनागढ़ में शराब मंगाने वाले, टाटा कंटेनर के मालिक, भैया और दीपक ठाकुर समेत 5 लोगों को वांछित घोषित किया गया है।

वलसाड की पत्नी को 45 अश्लील क्लिप भेजने वाले रिश्तेदार के खिलाफ FIR

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वलसाड में रहने वाली एक 25 वर्षीय पत्नी ने अपने एक दूर के रिश्तेदार के खिलाफ वलसाड सिटी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है, जिसने उसे व्हाट्सएप पर 45 अश्लील और बर्बर क्लिप भेजी थीं। पुलिस ने इस मामले में अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

वलसाड नगरपालिका वार्ड नं. 1 में वलसाडपारडी कश्मीरनगर में रहने वाली 25 वर्षीय महिला का पति एक निजी कंपनी में काम करता है। उनका विवाह 16 मई 2022 को हुआ था, और शादी के बाद उनका पति भी वहीं रहने आ गया था। इस दौरान, महिला के मामा के बेटे की पत्नी, जिसे वह भाभी के रूप में जानती थी, के एक भाई गणेश रामदास बशीरे, जो सूरत में ताज गेटवे होटल के पास उमरीनगर स्कूल के सामने पार्ले प्वाइंट सूरत पर सड़क किनारे मोची का काम करता है, से उसकी पहचान थी।

31 दिसंबर 2024 को जब महिला का पति रात की शिफ्ट में काम करने गया था, तब वह रात के समय व्हाट्सएप चला रही थी। इस दौरान एक अज्ञात व्यक्ति ने उसे व्हाट्सएप पर 45 अश्लील और बर्बर क्लिप भेजी। महिला ने इन क्लिपों को पास में रहने वाले मामा के बेटे को दिखाया, और पता चला कि ये क्लिपें भेजने वाला उसका साला गणेश रामदास बशीरे था, जो सूरत के आज़ादनगर गली नं. 1 में रहता है।

इस मामले में महिला ने शिकायत दर्ज कराई और पुलिस ने सूरत के इस व्यक्ति के खिलाफ अपराध दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी

वलसाड में एक महिला को उसके रिश्तेदार द्वारा 45 बर्बर क्लिप भेजने के मामले में स्न्नढ्ढक्रदर्ज की गई है। पुलिस में मामा के बेटे द्वारा साले की अश्लील हरकत के कारण मामला पुलिस में दर्ज किया गया है।

योयो होटल में देह व्यापार का पर्दाफाश हुआ

माँ और बेटा चाले रहे देह व्यापार का पर्दाफाश

पुलिस ने 6 महिलाओं,होटल संचालक और 3 ग्राहकों गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में ए.एच.टी.यू. की टीम ने योयो होटल में छापेमारी कर अवैध देह व्यापार का पर्दाफाश किया। पुलिस ने 6 महिलाओं को देह व्यापार से मुक्त करवा लिया, जबकि होटल संचालक और 3 ग्राहकों को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई की है। इसके साथ ही पुलिस ने 2 अन्य लोगों को वांछित घोषित किया है।

ए.एच.टी.यू. की टीम को सूचना मिली थी कि सूरत के पुणा पुलिस स्टेशन क्षेत्र स्थित आई माता चौक के पास जेनेथ गेस्ट हाउस में अवैध देह व्यापार चल रहा है। इसके बाद टीम ने जेनेथ गेस्ट हाउस में छापेमारी की, जहां सुरैया उर्फ आसमा फारूक शेख अपने बेटे शाहरुख शेख और

अजयगीरी मेघना के साथ मिलकर योयो होटल में देह व्यापार चला रहे थे।

पुलिस ने देह व्यापार में शामिल 6 महिलाओं को मुक्त किया, जबकि 3 ग्राहकों को गिरफ्तार किया। छापेमारी के दौरान पुलिस ने 21 हजार रुपए नकद और अन्य सामान मिलाकर 56 हजार रुपए से अधिक का माल जब्त किया और कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

पुलिस ने अब तक होटल की संचालिका महिला सुरैया उर्फ आसमा फारुख शेख, ग्राहक संजय कुमार शर्मा, अलीहुसैन नुर मोहम्मद अंसारी, और समसुल शब्बीर अंसारी को गिरफ्तार किया है। जबकि पुलिस ने होटल की संचालिका सुरैया उर्फ आसमा फारुख शेख के बेटे शाहरुख शेख और अजयगिरी मेघनाथी को वांछित घोषित किया है।

होटल की संचालिका महिला ग्राहकों से शारीरिक सुख के पैसे लेकर अपना कमीशन निकालती थी और महिलाओं को पैसे देती थी। उल्लेखनीय है कि मां-बेटा इस पूरे कूटनखाने का संचालन कर रहे थे। होटल में शारीरिक सुख प्राप्त करने आने वाले ग्राहकों को संचालक वीआईपी सुविधाएं प्रदान करते थे।

स्वास्थ्य विभाग की कार्रवाई

फूड सेफ्टी अधिकारियों द्वारा पोंक-पोंकवड़ा के 6 संस्थानों से कुल 23 नमूने लिए गए

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

स्वास्थ्य विभाग ने फूड सेफ्टी अधिकारियों के माध्यम से पोंक और पोंकवड़ा की बिक्री करने वाले 6 संस्थानों से कुल 23 नमूने एकत्र किए हैं। यह कार्रवाई खाद्य सुरक्षा मानकों की जांच के लिए की गई है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि विक्रेताओं द्वारा बेचा जा रहा पोंक-पोंकवड़ा मानकों के अनुरूप है और ग्राहकों के स्वास्थ्य पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं डाल रहा है।

सूरतवासी खाने-पीने के लिए बहुत प्रसिद्ध हैं, हर सीजन में कुछ नया और अलग स्वाद लेने का शौक रखते हैं। वर्तमान में सर्दी के मौसम के साथ सूरत में पोंक और पोंक से बने वड़ा और पेटीस की बिक्री भी शुरू हो चुकी है।

सूरत में मनपा के फूड सेफ्टी अधिकारियों द्वारा पोंकवड़ा विक्रेताओं के यहां जांच की गई थी और 16 संस्थाओं से कुल 23 नमूने लेकर सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रयोगशाला में परीक्षण के लिए भेजे गए हैं। शहर में कई जगहों पर पोंकवड़े की बिक्री हो रही है, ऐसे में यह सुनिश्चित करने के लिए कि पोंक, पोंकवड़ा और सेव खाने से नागरिकों को कोई स्वास्थ्य संबंधी समस्या न हो, मनपा के फूड विभाग के फूड सेफ्टी अधिकारियों द्वारा पोंकवड़ा विक्रेताओं पर सख्त निगरानी रखी गई।

फूड अधिकारियों की अलग-अलग टीमों द्वारा पोंकवड़ा विक्रेताओं के यहां सख्त जांच की गई थी, और 16 स्थानों पर जांच करके पोंक/पोंकवड़ा के कुल 23 नमूने लेकर सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रयोगशाला में परीक्षण के लिए भेजे गए थे। रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। फूड सेफ्टी अधिकारियों ने अडाजण, हीराबाग, घोड़दोड़ रोड, कतारगाम, वेडरोड, कापोद्रा क्षेत्रों में जांच की और नमूने लेने का कार्य किया था।

बार एसोसिएशन के चुनाव के बाद अध्यक्ष समेत अन्य पदाधिकारियों ने कार्यभार संभाल

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

पदाधिकारियों ने कार्यभार संभाल लिया है, लेकिन उनके सामने कई चुनौतियां हैं। नई अदालत के लिए स्थान का चयन नए अध्यक्ष के लिए सबसे बड़ी परीक्षा साबित होने वाली है।

इस विषय पर कानूनी और प्रशासनिक प्रक्रियाओं को ध्यान में रखते हुए, सही स्थान का चयन करना आवश्यक होगा। अदालत के लिए उपयुक्त जगह का चयन न केवल न्यायिक कार्यों को सुचारू बनाएगा, बल्कि शहर की जरूरतों को भी पूरा करेगा।

नए अध्यक्ष को इस कार्य में स्थानीय प्रशासन, न्यायिक विभाग और अन्य संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित करना होगा। इसके अलावा, इस परियोजना की सफलता से नई टीम की क्षमता और प्रशासनिक कुशलता का मूल्यांकन होगा।

बार एसोसिएशन के चुनाव के बाद अध्यक्ष समेत अन्य पदाधिकारियों ने कार्यभार संभाल लिया है। नई टीम का

प्राथमिक लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है अधिकारियों ने कहा है कि वे इस मुद्दे को प्राथमिकता देंगे और इसके समाधान के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। इस मामले में प्रशासन और संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर जल्द से जल्द निर्णय लेने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाएगा।

बार एसोसिएशन में आखिरकार पूर्व अध्यक्ष उदय पटेल ने कार्यभार छोड़ दिया, और बृजेश पटेल की टीम ने पदभार संभाल लिया। नई टीम के लिए 2025 में कई चुनौतियां होंगी, जिनमें सबसे बड़ी चुनौती कोर्ट बिल्डिंग के लिए नई जगह ढूंढना है।

फिलहाल, अठवालाइंस स्थित की जगह सबसे पसंदीदा मानी जा रही है, और इसे सरकार से मंजूरी मिलने की संभावना है।

सोमवार की मीटिंग में सीनियर वकीलों को काउंसिल मेंबर के रूप में चुना गया। इस दौरान, अध्यक्ष की सहकारी टीम के सदस्य मनीष पटेल ने वकीलों के हित में बार को 5 लाख रुपये का योगदान दिया। बैठक में सत्र न्यायाधीश आर.टी. वच्छानी भी मौजूद रहे।

कार्यभार संभालने के बाद बृजेश पटेल ने कहा, "2019 में जब मैं अध्यक्ष था, तब भी जीआईडीसी-बुडिया की जगह का विरोध हुआ था। इस बार, मौजूदा प्रिंसिपल जज और अन्य गणमान्य व्यक्तियों के सहयोग से यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाएगा

गुजरात में पुलिस भर्ती का महाकुंभ आयोजित

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

12,472 पदों के लिए 10.73 लाख उम्मीदवार भाग लेंगे। यह भर्ती परीक्षा 15 ग्राउंड्स पर आयोजित होगी, जिसमें अहमदाबाद भी शामिल है। युवाओं को इस दौरान वर्दी पहनकर दौड़ने का अवसर मिलेगा, और पूरे प्रक्रिया का मोंटरिंग गांधीनगर से किया जाएगा।

सुरत जिले के वाव SRP समूह 11 के पुलिस परेड ग्राउंड में रोजाना लगभग 1600 उम्मीदवारों की शारीरिक परीक्षा ली जाएगी। यह परीक्षा पुलिस कांस्टेबल और लोक रक्षक पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया का हिस्सा होगी, जिसमें उम्मीदवारों की शारीरिक क्षमता का मूल्यांकन किया जाएगा।

सुरत जिले के कामरेज के वाव गांव में वाव SRP समूह 11 के पुलिस परेड ग्राउंड पर कल से बिना हथियारधारी PSI और लोक रक्षक की पुलिस भर्ती की शुरुआत होगी। इस भर्ती के तहत रोजाना लगभग 1600 उम्मीदवारों की शारीरिक परीक्षा ली जाएगी, जिसके लिए तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार राज्य में कल से पुलिस भर्ती की शुरुआत होने जा रही है। सुरत जिले के कामरेज तालुका के वाव गांव स्थित SRP समूह वाव 11 के पुलिस परेड ग्राउंड पर 8 जनवरी 2025 से बुधवार से 1 मार्च 2025 तक बिना हथियारधारी PSI और लोक रक्षक पुरुषों की भर्ती आयोजित की जाएगी। दो महीने की भर्ती प्रक्रिया के दौरान रविवार और सार्वजनिक छुट्टियों को छोड़कर भर्ती चलेगी। इस भर्ती प्रक्रिया में हर दिन लगभग 1600 से अधिक उम्मीदवार शामिल होंगे, और यह प्रक्रिया बुधवार सुबह 4 बजे से शुरू होगी।

पुलिस ग्राउंड पर उम्मीदवारों को प्रवेश देने के बाद, रजिस्ट्रेशन के बाद शारीरिक परीक्षा ली जाएगी, जिसमें वजन, ऊंचाई और दौड़ सहित शारीरिक परीक्षण किए जाएंगे। सभी प्रक्रियाएं सीसीटीवी के तहत की जाएंगी। बुधवार सुबह 4 बजे से भर्ती प्रक्रिया शुरू होगी, और भर्ती में पुलिस बैंडोबस्त तैनात किया जाएगा।

भर्ती के लिए 384.1 मीटर लंबा ग्राउंड तैयार किया गया है। इस ग्राउंड को पांच बार घूमने पर पांच किमी पूरी होती है। उम्मीदवारों को यह ग्राउंड 25 मिनट में पूरा करना होगा।

वाव SRP 11 समूह के DYSP अनिल पटेल ने बताया कि सुरत रेंज के आईजीपी प्रेमवीर सिंह और DCI इंटेलिजेंस हरेश मेवाड़ा के मार्गदर्शन में सभी तैयारियाँ पूरी कर ली गई हैं। आगामी 1 मार्च तक कुल 69,000 उम्मीदवारों की परीक्षा यहाँ आयोजित की जाएगी। परीक्षा सुबह जल्दी शुरू हो जाएगी और एक दिन में 1600 उम्मीदवार परीक्षा दे सकेंगे। उम्मीदवारों के स्वास्थ्य की चिंता करते हुए डॉक्टरों के साथ 108 फुल एम्बुलेंस टीम तैनात रहेगी।

कॉस्मो इलेक्ट्रिफायर ने जीता अग्रवाल प्रीमियम लीग-16

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,अग्रवाल विकास ट्रस्ट द्वारा आयोजित अग्रवाल प्रीमियम लीग-16 (APL) का फाइनल मैच रविवार देर रात को अलथान स्थित बीज़े पटेल ग्राउंड पर खेला गया ।

फाइनल मैच में कॉस्मो इलेक्ट्रिफायर विजेता एवं रिसकेड डॉमिनेटर्स उपविजेता रहीं। साथ ही अंडर 16 टूर्नामेंट के विजेता माँ पार्वती ब्लेसर टीम एवं उपविजेता भास्कर ब्लास्टर्स टीम रही ।

फाइनल मैच के मौके पर हरियाणा की स्पेशल भिवानी की सब्जी का आयोजन भी किया गया। लीग का आयोजन "जल संचय" की थीम पर किया गया। आयोजन के दौरान ट्रस्ट द्वारा रेन वाटर हार्वेस्टिंग का सही एवं उचित तरीका सभी को बताया गया। इस मौके पर ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रमोद पोद्दार, सचिव अनिल शोरेवाला, राहुल अग्रवाल, नीरज अग्रवाल, युवा शाखा अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल सहित अनेकों लोग उपस्थित रहें।